WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

समीरा रेड्डी एक घटना है जब वह अनुपयुक्त एक चुंबन दृश्य

वर्षः 01 अंक : 258 | लखनऊ, सोमवार, 07 सितम्बर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

कोरोना वायरस का कहर जारी

90 हजार से अधिक नये मामले

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना संक्रमण के मामलों में रिकार्ड-दर-रिकार्ड तेजी के बीच एक दिन में अब तक सर्वाधिक 90 हजार से अधिक नये मामले सामने आये जिससे संक्रमितों का आंकड़ा 41.13 लाख हो गया हालांकि राहत की बात यह है कि इस दौरान 73 हजार से ज्यादा मरीजों के स्वस्थ होने के कारण सक्रिय मामले 20.96 प्रतिशत पर आ गये। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के रिकॉर्ड 90,632 नये मामलों के साथ संक्रमितों का आंकड़ा 41,13,811 हो गया। इसी अवधि में 73,642 मरीज स्वस्थ हुए हैं जिससे कोरोना से मुक्ति पाने वालों की संख्या 31,80,865 हो गयी है। स्वस्थ होने वालों की तुलना में संक्रमण के नये मामले अधिक होने से सक्रिय मामले 15,925 बढ़कर 8,62,320 हो गये हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान देश में 1,065 संक्रमितों की मौत होने से मृतकों की संख्या 70,626 हो गयी। देश में सक्रिय मामले 20.96 प्रतिशत और रोगमुक्त होने वालों की दर 77.32 प्रतिशत है जबकि मृत्यु दर 1.72 प्रतिशत है। कोविड-19 से सबसे गंभीर रूप से प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या 9687 बढ़कर 2,21,012 हो गयी तथा 312 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 26,276 हो गया। इस दौरान 10,801 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 6,36,574 हो गयी। देश में सर्वाधिक सक्रिय मामले इसी राज्य में हैं। आंध्र प्रदेश में इस दौरान मरीजों की संख्या 1187 कम होने से सक्रिय मामले 1,00,880 रह गये। राज्य में अब तक 4347 लोगों की मौत हुई है। वहीं कुल 3,82,104 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या में 516 की वृद्धि हुई है और यहां अब 99,636 सक्रिय मामले हैं। राज्य में मरने वालों का आंकड़ा 6298 पर पहुंच गया है तथा अब तक 2,83,298 लोग स्वस्थ हुए हैं। आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में भी इस दौरान 1368 मरीजों की वृद्धि हुई है जिससे सक्रिय मामले 59,563 हो गये हैं तथा इस महामारी से 3843 लोगों की मौत हुई है जबकि 1,95,959 मरीज ठीक हुए हैं। तमिलनाडु में सक्रिय मामलों की संख्या 51,583 हो गयी है तथा 7748 लोगों की मौत हुई है। वहीं राज्य में अब तक 3,94,366 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। तेलंगाना में कोरोना के 32,553 सक्रिय मामले हैं और 886 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 1,07,530 लोग इस महामारी से ठीक हुए है। ओडिशा में सक्रिय मामले 25,909 हो गये हैं और 538 लोगों की मौत हुई है जबकि रोगमुक्त लोगों की संख्या 93,774 हो गयी है। पश्चिम बंगाल में कोरोना वायरस के 23,390 सक्रिय मामले हैं तथा 3510 लोगों की मौत हुई है, वहीं अब तक 1,50,801 लोग स्वस्थ हुए हैं। केरल में सक्रिय मामले 21,867 हो गये तथा 337 लोगों की मौत हुई है जबकि स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 62,555 हो गयी है। राजधानी दिल्ली में इस दौरान सक्रिय मामले 1028 बढ़ने से यह संख्या 19,870 हो गयी है। वहीं संक्रमण के कारण मरने वालों की संख्या 4538 हो गयी है तथा अब तक 1,63,785 मरीज रोगमुक्त हुए हैं। बिहार में सक्रिय मामले 16,594 हो गये हैं। राज्य में 735 लोगों की मौत हुई है जबकि 1,28,503 लोग संक्रमणमुक्त भी हुए हैं।

स्वस्थ होने वालों की तुलना में संक्रमण के नये मामले अधिक होने से सक्रिय मामले 15,925 बढ़कर 8,62,320 हो गये हैं

राजनाथ ने ईरानी रक्षा मंत्री के साथ तेहरान में द्विपक्षीय बैठक की

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रूस की यात्रा से स्वदेश लौटते समय शनिवार को ईरान की राजधानी तेहरान में अपने ईरानी समकक्ष ब्रिगेडियर जनरल अमीर हात्मी के साथ द्विपक्षीय बातचीत की। श्री सिंह रूस की राजधानी मास्को में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने के बाद शनिवार को स्वदेश रवाना हुए थे। ईरानी रक्षा मंत्री ने श्री सिंह से तेहरान में रूकने और बातचीत का अनुरोध किया था। दोनों रक्षा मंत्रियों के बीच सौहार्दपूर्ण और गर्मजोशी के माहौल में बातचीत हुई। दोनों नेताओं ने भारत और ईरान के बीच वर्षों पुराने सांस्कृतिक, भाषायी और सभ्यता पर आधारित संबंधों के महत्व का उल्लेख किया। उन्होंने अफगानिस्तान में शांति और सुरक्षा सहित क्षेत्रीय सुरक्षा मुद्दों पर बातचीत के साथ साथ द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत बनाने के उपायों पर चर्चा की।

एक दिन में देशभर में रिकॉर्ड 73,642 कोरोना मरीज हुए संक्रमण मुक्त

नयी दिल्ली, एजेंसी। देशभर में पिछले 24 घंटे के दौरान रिकॉर्ड 73,642 कोरोना संक्रमितों के स्वस्थ होने से राष्ट्रीय औसत रिकवरी दर बढ़कर 77.32 प्रतिशत हो गयी है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटे में देशभर में 73,642 कोरोना संक्रमित स्वस्थ हुए है जिससे अब तक कोरोना संक्रमण को मात देने वाले व्यक्तियों की संख्या बढ़कर 31,80,865 हो गयी है। रिकवरी दर के मामले में बिहार सबसे आगे हो गया है। बिहार में रिकवरी दर 88 प्रतिशत है। इसके अलावा दिल्ली में रिकवरी दर 87 प्रतिशत, तमिलनाडु में 87 प्रतिशत, पश्चिम बंगाल में 85 प्रतिशत, राजस्थान में 82 प्रतिशत और गुजरात में 81 प्रतिशत है। इनके अलावा हरियाणा में रिकवरी दर 79 प्रतिशत, ओडिशा में 78 प्रतिशत, आंध्र प्रदेश में 78 प्रतिशत, जम्मू कश्मीर में 76 प्रतिशत, तेलंगाना में 76 प्रतिशत, मध्य प्रदेश में 76 प्रतिशत, उत्तर प्रदेश में 75 प्रतिशत,कर्नाटक में 73 प्रतिशत, केरल में 74 प्रतिशत, महाराष्ट्र में 72 प्रतिशत, पंजाब में 71 प्रतिशत, झारखंड में 67 प्रतिशत और छत्तीसगढ़ में 47 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के रिकॉर्ड 90,632 मामले सामने आने से अब तक संक्रमण के शिकार हुए व्यक्तियों की संख्या बढ़कर 41,13,811 हो गयी है। हालांकि, 05 सितंबर को 73,642 संक्रमितों के रोगमुक्त होने और 1,065 मरीजों की मौत से संक्रमण के सक्रिय मामलों में 15,925 की तेजी आयी है। देश भर में इस समय कोरोना संक्रमण के 8,62,320 सक्रिय मामले हैं।

लखीमपुर खीरी में पूर्व विधायक निर्वेंद्र कुमार मिश्र की पीट-पीटकर हत्या

लखीमपुर खीरी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर जिले में सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां भूमि विवाद के चलते पूर्व विधायक निर्वेंद्र कुमार मिश्र की कथित रूप से हत्या कर दी गई। साथ ही उनके बेटे को भी पीटकर अधमरा कर दिया। पूर्व विधायक के घरवालों ने पुलिस पर हमलावरों से मिलीभगत का आरोप लगाया है। उधर, लखीमपुर के एसपी का कहना है कि जमीनी विवाद में कहासुनी के दौरान पहुंचे पूर्व विधायक अचानक गिर पड़े। इस पर जब उन्हें अस्पताल ले जाया गया तो डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी के मुताबिक, यह पूरी घटना लखीमपुर खीरी के तहसील पलिया के त्रिकोलिया पदुआ की है। यहां निघासन विधान सभा सीट से दो बार निर्दलीय और एक बार समाजवादी पार्टी के टिकट पर विधायक रहे निर्वेंद्र कुमार मिश्रा उर्फ मुन्ना की रविवार को दबंगों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। दबंगों की पिटाई से उनके बेटे की भी गहरी चोटें आई हैं। पूर्व विधायक के घरवालों ने स्थानीय पुलिस पर हमलावरों को सह देने का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि पुलिस हमलावरों को बचाकर यहां से अपने साथ ले गई। उधर, लखीमपुर के एसपी का कहना है कि जमीनी विवाद में दो पक्षों के बीच कहासुनी हो रही थी। इसी दौरान पूर्व विधायक निर्वेंद्र कुमार मिश्रा मौके पर पहुंचे और अचानक की गिर पड़े।

भाजपा कल्याणकारी कार्यक्रमों के जरिए मनायेगी मोदी का 70वां जन्मदिन

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 70वें जन्मदिन के मद्देनजर एक सप्ताह के लिए समारोहों की योजना बनाई है। सूत्रों के अनुसार श्री मोदी के जन्मदिन के लिए पूरे देश में समारोह 14 सितंबर को शुरू हो जाएंगे। इन समारोहों में कपड़ों से निर्मित थैलों के वितरण, रक्तदान शिविर, निःशुल्क नेत्र जांच शिविर लगाना, चश्मों के वितरण, प्लाजमा दान करने समेत अन्य कल्याणकारी कार्यक्रम शामिल हैं। हरियाणा भाजपा प्रमुख ओम प्रकाश धनखड़ के अनुसार, समारोहों के दौरान पार्टी की प्राथमिकता लोक कल्याण होगा। श्री धनखड़ ने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण से स्वस्थ हुये लोगों से कार्यक्रम के दौरान प्लाजमा दान करने का अनुरोध किया जाएगा और हम पर्यावरण संरक्षण पर बहुत जोर दे रहे हैं।

स्वच्छता अभियान से हुआ इंसेफेलाइटिस का खात्मा

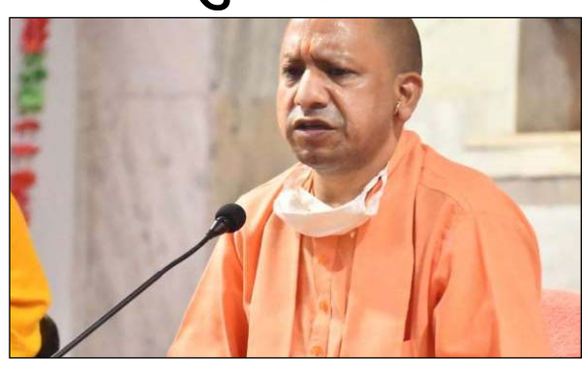

गोरखपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छता अभियान से सामाजिक जीवन में व्यापक परिवर्तन हुआ है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के गोरखपुर बस्ती मंडल में 40 वर्षों से इंसेफेलाइटिस से मासूम बच्चे शिकार हो रहे थे। स्वच्छता अभियान से इस पर ऐसा कारगर अंकुश लगा कि जहाँ हर साल 500-600 मौतें होती थी वही इस बार सिर्फ छह मौतें हुई है। 99 प्रतिशत मौत कम हुई है। मुख्यमंत्री रविवार को गोरखनाथ मंदिर में ब्रह्मलीन महंत अवेधनाथ की छठीं पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 में प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद इंसेफेलाइटिस के खिलाफ निर्णायक लड़ाई शुरू हुई। स्वच्छता अभियान और विभिन्न विभागों के अंतर समन्वय से कार्य शुरू हुए, जिसके बेहतर परिणाम मकासामने आ रहा है। उन्होंने कहा कि ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ स्वच्छता के पक्षधर थे। उनका मानना था कि जीवन का पहला अनुशासन स्वच्छता से शुरू होता था। साफ-सफाई को लेकर वे सजग रहते थे। गोरखनाथ मंदिर में हर रोज कोने-कोने तक सफाई का जायजा लेते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपीठ के आचार्य महंत दिग्विजय नाथ और महंत अवेद्यनाथ ने लोक मंगल के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। अयोध्या में राम मंदिर के लिए उन्होंने संघर्ष किया था। 492 वर्ष बाद मंदिर का निर्माण प्रारम्भ हो गया है। दोनों संतों का संकल्प आज पूरा होते दिखाई दे रहा है। मंदिर निर्माण शुरू होने के अवसर पर गोरखनाथ मंदिर में राम कथा का आयोजन इसी ऊंचाई की एक कड़ी है। उन्होंने कहा कि गोरखपीठ धार्मिक पीठ है। इसका मतलब सिर्फ पूजा-पाठ तक सीमित नही है। धर्म हमें सेवा से जोड़ेगा। लोक मंगल से जोड़ेगा। सदाचार और कर्तव्यपथ पर अग्रसर करेगा। उन्होंने कहा कि महंत अवेद्यनाथ का संस्था, नाथ सम्प्रदाय, धर्म स्थलों और सनातन धर्म के प्रति स्पष्ट सोच थी। सही साबित हो रही है। महंत अवेद्यनाथ कहते थे कि व्यक्ति की जैसी दृष्टि होगी ठीक वैसी सृष्टि होगी। व्यक्ति अक्सर नकारात्मक दृष्टि को अपनाता है। अगर उसको सकारात्मक दृष्टि में लाया जाए तो उसकी ऊर्जा लोकोपयोगी होगी। कार्यक्रम में दिगम्बर अखाड़ा के महंत सुरेश दास, स्वामी राघवाचार्य, सांसद रवि किशन, कमलेश पासवान और शिव प्रताप शुक्ल, विधायक शीतल पांडेय, विपिन सिंह, राकेश सिंह बघेल, महापौर सीताराम जायसवाल, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो.यूपी सिंह समेत कई लोगों ने ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ को श्रद्धांजलि अर्पित की।

केजरीवाल ने शुरू किया एंटी डेंगू अभियान

नयी दिल्ली, एजेंसी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को अपने आवास पर 'रूका हुआ पानी हटाकर दिल्ली सरकार का दस दिवसीय डेंगू निरोधक अभियान शुरू किया। इस अभियान के तहत दिल्ली में मच्छर जनित इस रोग की रोकथाम पर लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने के प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से ट्वीट किया गया कि माननीय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने घर पर रूके हुए साफ पानी को हटाकर डेंगू निरोधक अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि पिछले दो साल की तरह इस बार भी दिल्लीवासी इस पहल को सफल बनाने और डेंगू को हराने के लिए साथ आएंगे। दिल्ली और अपने परिवार को डेंगू से बचाने के लिए हमने पिछले साल भी अभियान चलाया था। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, मंत्रिमंडलीय सहयोगियों राजेंद्र पाल गौतम और कैलाश गहलोत ने इस अभियान के तहत संबंधित तस्वीरें और वीडियो साझा किये।

अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए चिदंबरम ने दी केंद्र को नसीहत, कहा

वैश्विक बैंकों से लें अधिक कर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने मांग को प्रोत्साहित करने और देश की अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने में मदद करने के लिए सरकार को अधिक उधार लेने का सुझाव दिया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने धन जुटाने के कुछ उपाय भी सुझाए, जिनमें एफआरबीएम मानदंडों में ढील, विनिवेश में तेजी और वैश्विक बैंकों से धन उधार लेना शामिल है। अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के उपायों के तहत, उन्होंने राज्यों की माल एवं सेवा कर (जीएसटी) क्षतिपूर्ति का भुगतान करने के अलावा, 50 प्रतिशत गरीब परिवारों को नकद हस्तांतरित करने, उन्हें खाद्यान्न देने और बुनियादी ढांचे पर खर्च बढ़ाने की मांग की। चिदंबरम ने ट्वीट किया, ''मांग व खपत को प्रोत्साहित करने और अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए कुछ ऐसे ठोस कदम उठाए जा सकते हैं, सबसे गरीब 50 प्रतिशत परिवारों को कुछ नकदी हस्तांतरित करें। ऐसे सभी परिवारों को खाद्यान्न दें, जिन्हें इसकी आवश्यकता है। बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर खर्च बढ़ाएं। खाद्यान्न भंडार का वस्तु के रूप में मजदूरी भुगतान में उपयोग करें। बड़े सार्वजनिक निर्माण कार्य शुरू करें। बैंकों का पुनर्पूंजीकरण करें ताकि वे अधिक उधार दे सकें और राज्यों की जीएसटी क्षतिपूर्ति का भुगतान करें। उन्होंने कहा, ''इन सबों को पैसे की जरूरत होगी। कर्ज लें, संकोच न करें। चिदंबरम ने सुझाव दिया, ''धन जुटाने के कुछ ठोस कदम इस प्रकार के हो सकते हैं। एफआरबीएम के प्रावधानों को सरल करें और इस साल अधिक कर्ज उठाएं।

नई शिक्षा नीति पर राज्यपालों को संबोधित करेंगे राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7 सितंबर (सोमवार) को सुबह 10.30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर राज्यपालों के सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगे। उच्च शिक्षा के बदलाव में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भूमिकाश् विषय पर इस सम्मेलन का आयोजन भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 इक्कीसवीं सदी की पहली शिक्षा नीति है, जिसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 के 34 वर्षों के बाद घोषित किया गया। एनईपी-2020 को स्कूल और उच्च शिक्षा स्तर दोनों में बड़े सुधारों के लिए लाया गया है। केंद्र सरकार ने एक आधिकारिक वक्तव्य में कहा, नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारत को न्यायसम्मत और जागरूक समाज बनाने का प्रयास करती है।

जीएसटी का स्वरुप बिगाड़ कर सरकार ने किया असंगठित क्षेत्र पर प्रहारः राहुल

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने असंगठित क्षेत्र की बदहाली के लिए मोदी सरकार की नीतियों को जिम्मेदार ठहराते हुए उस कड़ा हमला किया और कहा कि वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) के मूल स्वरूप को बदलकर असंगठित अर्थव्यवस्था को तबाह किया गया है। श्री गांधी ने रविवार को यहां जारी वीडियो में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के निशाने पर असंगठित क्षेत्र की अर्थव्यवस्था है और इसे बर्बाद करने के लिए पहले नोटबन्दी की गयी और फिर गलत जीएसटी लागू किया गया। असंगठित क्षेत्र पर जीएसटी मोदी सरकार का दूसरा बड़ा सुनियोजित आक्रमण रहा है। उन्होंने कहा , ÷ जीएसटी कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार का आइडिया था। एक टैक्स, कम से कम टैक्स, साधारण और सरल टैक्स। भाजपा के नेतृत्व वाली राजग का जीएसटी बिल्कुल अलग है। चार अलग-अलग कर 28 प्रतिशत तक तक जटिल रूप में लागू कर दिए।÷ कांग्रेस नेता ने सवाल किया कि यह चार अलग-अलग रेट क्यों है। उनका कहना है कि यह चार अलग-अलग रेट इसलिए है कि सरकार चाहती है कि जिसकी पहुंच हो, जीएसटी को आसानी से बदल पाए और जिसकी पहुंच ना हो वो जीएसटी के बारे में कुछ ना कर पाए। श्री गांधी ने कहा कि चार अलग अलग तक व्यवस्था से छोटे कारोबारी परेशान है। वे तक ही नही भर पा रहे है और जो भर सकती है उन बड़े कारोबारियों की मदद की गई गयी है। जीएसटी को ठीक कराने की पहुंच सबसे बड़े 15-20 उद्योगपतियों की है। वे जो भी कानून बनाना चाहते हैं वे इस जीएसटी में आसानी से बदल सकते हैं। उन्होंने कहा कि राजग के जीएसटी का नतीजा है कि आज हिंदुस्तान की सरकार राज्यों को जीएसटी का पैसा ही नहीं दे पा रही है। राज्य सरकार के कर्मचारियों को वेतन नही मिल पा रहा है।

रिया से ड्रग मामले में पूछताछ

डीआरडीओ गेस्ट हाउस से बाहर निकलीं बहन मीतू सिंह

मुंबई, एजेंसी। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में ड्रग्स एंगल से जांच कर रही नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की टीम आज रिया चक्रवर्ती से पूछताछ कर रही है। एनसीबी के उप निदेशक अमित फक्कड़ घवाटे ने कहा है कि रिया से केवल सवाल-जवाब होगा। जांच एजेंसी की टीम ने आज सुबह रिया के घर पहुंचकर समन जारी किया था। इस दौरान मुंबई पुलिस भी वहां मौजूद रही। सुशांत की बहन मीतू सिंह डीआरडीओ में पूछताछ के बाद गेस्ट हाउस से बाहर निकल गई हैं। शनिवार को मीतू से पूछताछ हुई थी। रिया के वकील सतीश मानसिंदे ने कहा कि रिया चक्रवर्ती गिरफ्तारी के लिए तैयार है। अगर किसी से प्यार करना अपराध है तो वह सजा भुगतने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि रिया ने अग्रिम जमानत के लिए किसी भी अदालत का दरवाजा नहीं खटखटाया है। एनसीबी ने मामले में शनिवार को सुशांत के निजी कर्मचारी दीपेश सावंत को गिरफ्तार किया था। उसे आज अब्दुल बासित परिहार के साथ कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उसे नौ सितंबर तक हिरासत में भेज दिया है। पेशी से पहले उसकी मेडिकल जांच हुई। मामले में अब तक कुल सात लोग गिरफ्तार हो चुके हैं। एनसीबी ने कहा कि सावंत को शनिवार को रात करीब 8 बजे नार्कोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम की धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया है।

नई शिक्षा नीति के विरोध में कोविंद को ज्ञापन देंगे शिक्षक

नयी दिल्ली, एजेंसी। स्कूल टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया ने 34 साल के बाद घोषित नई शिक्षा नीति को अस्वीकार कर दिया है और उसके विरोध में शनिवार से ऑनलाइन हस्ताक्षर अभियान भी शुरू किया है। यह अभियान एक माह तक चलेगा और लाखों लोगों से हस्ताक्षर करवा कर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को एक ज्ञापन सौंपा जाएगा। स्कूल टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिजीत मुखर्जी (पश्चिम बंगाल) और महासचिव सी.एन. भारती (हरियाणा) ने रविवार को यहां एक जारी बयान में यह जानकारी दी।गौरतलब है कि शनिवार को शिक्षक दिवस पर देश के विभिन्न इलाकों में नई शिक्षा नीति के विरोध में धरना प्रदर्शन भी हुए। श्री भारती ने कहा कि नई शिक्षा नीति में ना केवल अति केन्द्रीयकरण, निजीकरण, व्यापारीकरण तथा भगवाकरण है।

आईपीएल का शेड्यूल जारी

पहला मुकाबला डिफेंडिंग चैम्पियन मुंबई और चेन्नई के बीच, पहली बार फाइनल मंगलवार को

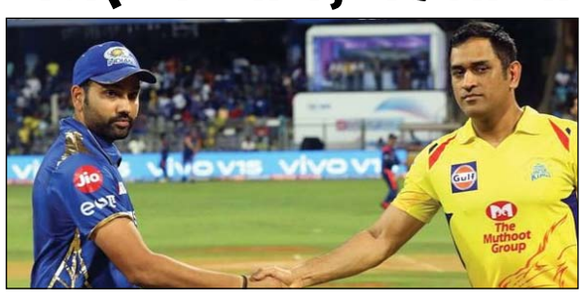

नयी दिल्ली, एजेंसी। बीसीसीआई ने रविवार को आईपीएल सीजन-13 का शेड्यूल जारी कर दिया। कोरोना दौर में आईपीएल बगैर दर्शकों के यूएई में 19 सितंबर से शुरू होगा। पहला मैच पिछली बार के चैम्पियन मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेला जाएगा। फाइनल 10 नवंबर यानी मंगलवार को होगा। आईपीएल के इतिहास में पहली बार फाइनल रविवार की बजाय वीक-डे मंगलवार को रखा गया है। टूर्नामेंट में 10 डबल हेडर यानी एक दिन में 2-2 मैच होंगे। शाम के मैच पुराने शेड्यूल से आधा घंटा पहले यानी 7.30 बजे से शुरू होंगे। दोपहर के मैच 3.30 बजे से खेले जाएंगे। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल ने कोरोना के कारण हर एक टीम को सिर्फ 24 खिलाड़ी ही साथ ले जाने की इजाजत दी है। पहले फ्रेंचाइजी को 25 खिलाड़ी रखने की अनुमति थी। टूर्नामेंट में अनलिमिटेड कोरोना सब्सटिट्यूट की भी मंजूरी दी। यानी टूर्नामेंट में कोई खिलाड़ी कोरोना पॉजिटिव निकलता है, तो टीम उसकी जगह दूसरा खिलाड़ी टीम में शामिल कर सकेंगी।

इंग्लैंड-ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों पर सस्पेंस

इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी शुरुआती मैच खेल सकेंगे या नहीं, इस बात को लेकर अब भी सस्पेंस है। लीग में ऑस्ट्रेलिया के 17 और इंग्लैंड के 13 खिलाड़ियों को हिस्सा लेना है। दरअसल, इंग्लैंड-ऑस्ट्रेलिया का तीसरा और आखिरी वनडे 16 सितंबर को मैनचेस्टर में होगा। दोनों टीमों के खिलाड़ी 16 को ही या फिर अगले दिन लंदन से दुबई के लिए रवाना होंगे। यूएई पहुंचने के बाद उन्हें कोरोना टेस्ट कराना होगा। अगर उनका टेस्ट निगेटिव आया, तभी वे 7 दिन के आइसोलेशन जोन से बाहर निकल सकेंगे। ऐसे में सभी प्लेयर दूसरे हफ्ते से आईपीएल खेल सकेंगे। जबकि फ्रेंचाइजी कह चुकी हैं कि सभी खिलाड़ी बायो-सिक्योर माहौल से ही यूएई आएंगे, ऐसे में उन्हें आइसोलेशन में रखने की जरूरत नहीं होगी।

लड़की के मौत पर मायके के लोग सासुराल पक्ष के खिलाफ तहरीर देकर लगाई न्याय की गुहार

रतनपुर/परसा मलिक थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत परसा मलिक का एक दुखद घटना आज सामने आई है जहां ससुराल वालों ने दहेज की खातिर मानसिक उत्पीड़न देते देते अपने ही बहू को मौत के घाट उतार दिया इस घटना से क्षेत्र में मातम का माहौल छाया हुआ है आखिर दहेज प्रथा से कितने मासूमों की जाएगी जान वहीं मायके के लोगों ने परसा मलिक पुलिस को लिखित तहरीर देकर मांग रहे न्याय। आपको बताते चलें जयराम पुत्र सुन्दर ग्राम सभा झामट थाना पुरंदरपुर जनपद महराजगंज जिन्होंने अपनी पुत्री अमिंत्रा की शादी प्रमोद प्रजापति पुत्र प्रहलाद प्रजापति निवासी ग्राम पंचायत परसा मलिक थाना परसा मलिक जनपद महराजगंज में करीब 5 साल पहले शादी हुई थी कल दिनांक 5/9/2020 को अचानक ससुराल पक्ष के अन्य लोगों के द्वारा मायके वालों को सूचना मिली की आपकी पुत्री अमिंत्रा की मृत्यु हो गई है जब मायके वालों ने सूचना पाकर पूरे परिवार सहित परसा मलिक पुत्री के घर पहुंचे तो देखा कि अमिंत्रा को मारकर फांसी पर लटका दिया गया है और ससुराल पक्ष के

लोग अफवाह फैला रहे हैं कि अमिंत्रा ने आत्महत्या कि है । वहीं मायके वालों ने परसा मलिक पुलिस को तहरीर में यह भी कहा है कि जब आस पास के लोगों से हमने पूछताछ किया तो पता चला कि आए दिन अमिंत्रा को उसके पति प्रमोद प्रजापति , पिता प्रहलाद , माता किसलावती नन्द , देवर गोलू अमिंत्रा के साथ दहेज को लेकर मारपीट किया करते थे और मानसिक उत्पीड़न देते रहते थे जब की मायके वालों ने यथा शक्ति दान दहेज देकर पुत्री अमिंत्रा की शादी की थी उन्होंने यह भी कहा कि अपनी पुत्री के सुविधा के लिए ससुराल वालों को प्लेटिना मोटरसाईकिल भी दहेज दिया था जब की ससुराल वालों की मांग पल्सर मोटरसाईकिल की थी इसी को लेकर आए दिन मानसिक शारीरिक पीड़ा मेरी पुत्री अमिंत्रा को देते रहते थे और कल 5/9/2020 को मेरी पुत्री अमिंत्रा को दहेज लोभियों ने मिलकर मार डाला ।जिस घटना की लिखित तहरीर देकर मायके वालों ने परसा मलिक पुलिस से न्याय की गुहार लगाते हुए कहा की मेरी पुत्री अमिंत्रा के हत्यारो को सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए इस संदर्भ में परसा मलिक थाना प्रभारी छोटेलाल का कहना है की इस घटना की जांच पड़ताल की जा रही है अपराधियों को सजा जरूर मिलेगी।

सुल्तान नगर चौराहे पर नहीं दिखा साप्ताहिक बन्दी का असर

संतकबीर नगर। एक तरफ जहां पूरा विश्व वैश्विक महामारी कोविड-19 से जूझ रहा है, वहीं पर संत कबीर नगर के विकासखंड बेलहर कला दुधारा थाना क्षेत्र के सुल्तान नगर चौराहे पर नहीं हो रहा साप्ताहिक बंदी का पालन। ज्ञात हो कि जहां पर प्रदेश सरकार जनमानस की समस्या को देखते हुए 2 दिन के साप्ताहिक बंदी को हटाकर 1 दिन की साप्ताहिक बंदी रविवार को लागू किया है, लेकिन फिर भी कुछ ऐसे लोग हैं जो उड़ा रहे लॉक डाउन की धज्जियां । 1 दिन के साप्ताहिक बंदी को भी सफल बनाने में प्रशासन है असफल।

हरिकेश बहादुर यादव माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला उपाध्यक्ष मनोनीत

मौलाना आजाद इंटर कालेज में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ की बैठक सम्पन्न

संतकबीरनगर। मौलाना आजाद इंटर कॉलेज खलीलाबाद में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रांतीय अध्यक्ष चेत नारायण सिंह के निर्देश पर मंडलीय मंत्री/जिलाध्यक्ष संजय द्विवेदी ने संगठन का विस्तार किया। श्री द्विवेदी ने बताया कि संगठन में अहर्निश योगदान के लिये द्वाबा विकास इंटर कॉलेज के शिक्षक हरिकेश बहादुर यादव को जिला उपाध्यक्ष, श्री सीताराम इंटर कॉलेज सिरसी के शिक्षक विंध्याचल सिंह को जिला उपाध्यक्ष, परमानंद पांडे रामकली देवी इंटर कॉलेज भगवानपुर के शिक्षक त्रिपुरारी नाथ पांडे को जिला उपाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया गया है।

श्री द्विवेदी ने बताया कि संयुक्त मंत्री के पद पर भीमराव अंबेडकर इंटर कॉलेज ठठरा के शिक्षक राकेश कुमार भारती, जय नारायण इंटर कॉलेज मोर के शिक्षक रणविजय और श्री सीताराम इंटर कॉलेज सीरसी के शिक्षक श्री राम मौर्या को मनोनीत किया गया है। सभी मनोनीत पदाधिकारियों को प्रधानाचार्य यूनुस अख्तर खान, महेश राम ,उदय भान सिंह सहित तमाम लोगों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया।

मंडलीय मंत्री संजय द्विवेदी ने कहा कि धनघटा में इस वर्ष शिक्षक संघ की ऐतिहासिक सदस्यता हुई है। जल्दी ही धनघटा तहसील व ब्लॉक इकाइयों के अध्यक्ष/मंत्री के नामों की भी घोषणा की जाएगी। बैठक में शिक्षक संघ के सदस्यता अभियान विधान परिषद चुनाव व शिक्षक समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

इस दौरान गिरिजानंद यादव, विजय यादव, राम नारायण पांडेय, प्रवीन कुमार त्रिपाठी, जय चन्द्र यादव, मंगला प्रसाद, जय प्रकाश गौतम, कमर आलम, अरशद जलाल, अभय शंकर शुक्ला, मंतोष मौर्या, विनोद चौरसिया, विनोद उपाध्याय, सुनील कुमार, भूपेंद्र कुमार सहित अन्य मौजूद रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का गुरु पूजन महोत्सव का हुआ आयोजन

छावनी। रविवार को ग्राम सभा इन्दौली में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का गुरु पूजन महोत्सव का आयोजन राहुल तिवारी (युवा नेता) और सुशील सिंह के द्वारा किया गया और इसमें सच्चिदानंद का बौद्धिक प्राप्त हुआ जिसमें अमित,सोमनाथ,अश्वनी,विस्तारक और गांव के कई लोग उपस्थित रहे साथ में राहुल तिवारी युवा नेता लोगों को कोरोना महाकाल से बचने का सुझाव दिया और अंत में लोगों को संकल्प भी दिलाया की सामाजिक कार्य में सभी लोग एक होकर साथ चलें।

रक्तदान शिविर में उद्घटान पर आए एसडीएम खजनी, खुद कर गए रक्तदान

एसडीएम खजनी के उदारता पर उत्साहित हुए उपस्थित युवा

गोरखपुर। दक्षिणांचल क्षेत्र खजनी जयसवाल फार्मा के परिसर में एसडीएम खजनी सुरेश राय रक्तदान शिविर का शुभारंभ फीता काट कर किया। सी स्काई फाउंडेशन के तत्वाधान में सेसफा ग्रुप ऑफ इंडिया के नेतृत्व रक्तदान शिविर के मेडिकल कालेज टीम के उपस्थिति में किया गया। रक्तदान शिविर के उद्घाटन पर मुख्य अतिथि बनकर आये उपजिलाधिकारी खजनी ने भी खुद रक्तदान कर नजीर पेश कर दिए। तहसील के मुखिया को रक्तदान करते देख युवाओं का हौसला बढ़ा और रक्तदान में चढ़ बढ़ कर भाग लिया। दर्जनो युवालाइन में बैठ रक्तदान के क्रम बैठे रहे। रक्तदान शिविर के आयोजक जैसवाल फार्मा के प्रोपराइटर कुंदन जायसवाल ने भी खुद रक्त दान कर महा दान में सहभागी बने।

उपजिलाधिकारी खजनी सुरेश राय स्काई फाउंडेशन सेफ़्स ग्रुप ऑफ इंडिया के संचालक सचिदानन्द मौर्य को धन्यबाद देते हुए कहा, रक्तदान को समस्त विश्व में सबसे बड़ा दान माना गया है, क्योंकि रक्तदान ही है, जो न केवल किसी जरूरतमंद का जीवन, बचाता है बल्कि जिंदगी बचाकर उस परिवार के जीवन में खुशियों के ढ़ेरों रंग भी भरता है। कल्पना कीजिए कि कोई व्यक्ति रक्त के अभाव में जिंदगी और मौत की लड़ाई लड़ रहा है और आप एकाएक उम्मीद की किरण बनकर सामने आते हैं और आपके द्वारा किए गए रक्तदान से उसकी जिंदगी बच जाती है तो आपको कितनी खुशी होगी। हालांकि एक समय था, जब चिकित्सा विज्ञान इतना विकसित नहीं था और किसी को पता ही नहीं था कि किसी दूसरे व्यक्ति का रक्त चढ़ाकर किसी मरीज का जीवन बचाया जा सकता है। उस समय रक्त के अभाव में असमय होने वाली मौतों का आंकड़ा बहुत ज्यादा था । किन्तु अब स्थिति बिल्कुल अलग है, लेकिन फिर भी यह विड़म्बना ही कही जाएगी कि रक्तदान के महत्व को जानते-समझते हुए भी रक्त के अभाव में आज भी दुनियाभर में हर साल करोड़ों लोग असमय ही काल के ग्रास बन जाते हैं, जिनमें अकेले भारत में ही रक्त की कमी के चलते होने वाली ऐसी मौतों की संख्या करीब बीस लाख होती है क्योंकि देश में प्रतिवर्ष करीब पच्चीस लाख यूनिट रक्त की कमी रह जाती है। दरअसल रक्तदान के महत्व को लेकर किए जाते रहे प्रचार-प्रसार के बावजूद आज भी बहुत से लोगों के दिलोदिमाग में रक्तदान को लेकर कुछ गलत धारणाएं विद्यमान हैं, जैसे रक्तदान करने से संक्रमण का खतरा रहता है, शरीर में कमजोरी आती है, बीमारियां शरीर को जकड़ सकती हैं। जिससे भयानक बीमारियों का जन्म होता है । रक्त दान शिविर में मुख्य रूप से उपसंचालक रेनू, सन्तोष सिंह,सतेंद्र मौर्य, मनोज सिंह,पन्नेलाल, श्रीचंद, दिनेश ,दिलीप अजय कुमार , आदि लोग मौजूद रहे।

बस्ती में कार और ट्रक की भिड़ंत में बैंक कर्मचारी की मौत, चार घायल

छावनी। जिले के छावनी थाना क्षेत्र के रामजानकी तिराहे पर रविवार की सुबह ट्रक और कार की भिड़ंत में एचडीएफसी बैंक के एक कर्मचारी की मौत हो गई। चार अन्य कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए। थाना प्रभारी सौदागर राय ने बताया कि घायलों को पहले सीएचसी हर्रैया भेजा गया जहां से स्थिति गंभीर देख डॉक्टरों ने जिला अस्पताल बस्ती रेफर कर दिया है कार, संतकबीरनगर से लखनऊ जा रही थी। रामजानकी तिराहे पर एक गिट्टी लदा एक ट्रक रामजानकी मार्ग पर जाने के लिए मुड़ रहा था। अचानक फोरलेन पर ही ट्रक का टायर फट गया। परिणामस्वरूप ट्रक तुरंत वहीं रुक गया और लखनऊ की तरफ जा रही कार उससे भिड़ गई। जोरदार टक्कर के चलते गोरखपुर के बड़हलगंज क्षेत्र के सिधुआपार गांव के रहने वाले 35 वर्षीय देवेश पांडेय की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उनके पिता का नाम गिरीश दत्त पाण्डेय है। वह एचडीएफसी बैंक में कार्यरत थे। उनके पास से मिले एचडीएफसी बैंक के आईडी कार्ड से उनकी पहचान हुई कार में सवार राना प्रताप सिंह (28), विकास भवन संतकबीरनगर, आशुतोष शुक्ला (30) पुत्र अरुण शुक्ला निवासी नियाँवा थाना धानेपुर जिला गोण्डा, मनीष अवस्थी (32) पुत्र संगम अवस्थी निवासी घाटमपुर थाना बीघापुर जिला उन्नाव, मनीष कुमार (33) पुत्र दिलीप कुमार निवासी पक्का बारी, बिखना पहाड़ी, पटना बिहार गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सभी घायल एसबीआई संतकबीरनगर के कर्मचारी बताए जा रहे हैं।

ब्लॉक में निकला 7 फुट लंबा कोबरा ब्लाक कर्मियों में दहसत

महाराजगंज/बृजमनगंज ब्लॉक के अंदर आज दिनांक 06/09/2020 दिन रविवार को 7 फुट लंबा कोबरा नाग दिखाई पड़ने पर वहां उपस्थित लोगों में हड़कंप मच गया लोग डर के मारे इधर-उधर भागने लगे परंतु नाग बिना किसी को हानि पहुंचाए वहां से चला गया।मिली जानकारी अनुसार आज पितृपक्ष के पांचवें दिन अचानक बृजमनगंज ब्लॉक में 7 फुट लंबा कोबरा सांप दिखाई पड़ने पर वहां मौजूद लोगों में अफरा तफरी मच गई इसकी सूचना तत्काल विडिओ रणजीत सिंह को लोगों ने दिया। उसके कुछ देर बाद कोबरा नाग शौचालय के किनारे से होते हुए अचानक कहीं गायब हो गया विडिओ ने तत्काल ब्लॉक के अंदर दवा छिड़काव करने की बात की जिससे दुबारा इस प्रकार के विषैले सांप ब्लॉक के अंदर न घुसे। मौके पर लक्ष्मण यादव,क्ष्ट प्रदीप मणि, मनोज वर्मा, रोजगार सेवक राममिलन,बाबूराम ने कोबरा सांप को देखकर लोगो में डर का माहौल बना हुआ है।

सिन्दुरिया में ब्यूटी पार्लर का किया गया अचौक निरीक्षण

महराजगंज। सदर कोतवाली थाना क्षेत्र के सिंदुरिया में जनपद पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ब्यूटी पार्लर सघन चेकिंग आज सिन्दुरिया चौरहे पर पहुंचा जहां चौराहे पर संचालित होने वाले तीन ब्यूटी पार्लरों पर सघन चेकिंग महिला पुलिस द्वारा कि गयी,। बताते चलें महराजगंज में ब्यूटी पार्लर की आड़ में सेक्स रैकेट चलाने की सूचना पर हरकत में आए कोतवाली अधीक्षक अखिलेश कुमार सिंह की अगवानी में शास्त्री नगर में 30 अगस्त को रात्रि छापा डाला गया जिसमें चार लड़कियां दो पुरुषों काफी मात्रा में नशीली दवाएं और शराब बरामद की गई थी, इसी क्रम में जनपद पुलिस द्वारा ब्यूटी पार्लरों पर संघन चेकिंग चलाकर जांच किया जा रहा है, जिसमें आज सिंदुरिया चौराहे पर स्थित ब्यूटी पार्लर ऊपर चलता है महिला पुलिस द्वारा चेकिंग किया गया। लेकिन यहां पर कुछ संदिग्ध गतिविधि पुलिस के द्वारा नहीं दर्ज किया गया।

जीवीके इएमआरआई के वाइस प्रेसिडेंट ने बैठक कर सुनीं कर्मचारियों की समस्याएं

गोरखपुर।रविवार को गोरखपुर जिला चिकित्सालय में एंबुलेंस कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया इस बैठक का प्रमुख उद्देश्य कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर था,जिसमें एंबुलेंस में लगातार आ रही कमियों को दूर करने के लिए विचार विमर्श हुआ, बैठक में एंबुलेंस में ऑक्सीजन की उपलब्धता , एंबुलेंस के मेंटेनेंस, एंबुलेंस में उपस्थित उपकरण, कर्मचारियों की उपस्थिति,कर्मचारियों के वेतन, आदि, तमाम मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ, गोरखपुर जिला चिकित्सालय में इस बैठक का आयोजन किया गया जिसमें एंबुलेंस संघ के पदाधिकारी भी मौजूद रहे,प्रदेश अध्यक्ष हनुमान पांडे,प्रदेश कोषाध्यक्ष सुशील पांडे,प्रदेश कार्यालय मंत्री गिरीश कुमार,बस्ती मंडल प्रभारी हरि ओम त्रिपाठी,बस्ती जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर पांडे,गोरखपुर मंडल प्रभारी प्रदीप यादव,कुशीनगर जिला अध्यक्ष रणवीर यादव,गोरखपुर से संजय यादव,विवेक,बस्ती से महेंद्र दुबे,अनूप पांडे,रघुनंदन शुक्ला,तथा गोरखपुर के तमाम 108 102 एंबुलेंस के कर्मचारी मौजूद रहे। जीवीके इएमआरआई के प्रेसिडेंट टीवीएस रेड्डी के द्वारा इन सारे मुद्दों को सुना गया उस पर तत्काल कार्रवाई करने का आश्वासन दिया गया, प्रदेश अध्यक्ष हनुमान पांडे,सभी कर्मचारी को आश्वासन दिया कि सभी लोग अपना कार्य सुचारु रुप से करें कंपनी द्वारा हम लोगों की समस्याओं को अवश्य सुना जाएगा।

मेरा खोज अपनाकर थाली बजाया पर अन्नदाता के उत्पाद का दाम नहीं बढाया: चन्द्रमणि पाण्डेय समाजसेवी

कोविड-19को देखते हुए लाकडाउन व उसके अनुपालन हेतु देश को जागरूक करने हेतु देश के प्रधानमंत्री द्वारा ताली थाली बजाने के मुहिम व कल देश के अलग अलग संगठनों द्वारा बढती बेरोजगारी व गिरती अर्थव्यवस्था को लेखर बजाये गये थाली पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि शासन प्रसासन को जगाने अपनी समस्या सुनाने का यह नायाब तरीका हमने 14अगस्त 2018को न केवल खोज निकाला था अपितु 20अगस्त 2018को प्रयोग करके देखा 12घंटे के अन्दर शासन प्रसासन हिल गया व हम सबको बांध निर्माण का लिखित आश्वासन मिल गया जिसके क्रम में अपूर्ण तटबंध का कुछ हिस्सा इस वर्ष बन गया। हलांकि जब हमने यह तरीक अपनाया था तो बहुतों ने मजाक उडाया था मगर यह खोज महज दो वर्ष में इतना पापुलर हो गया देश के हर कोने में थाली बज गया आम इंसान से लेकर कमल के चाहत में कीचड से सराबोर भक्तों के भगवान माननीय प्रधानमंत्री जी ने भी इस नुक्शे को अपनाया मगर यहां सवाल यह उठता है कि थाली तो बजाया मगर बांध पूरा क्यों नहीं बनवाया देश के अन्नदाता के उत्पाद का दाम मंहगाई के सापेक्ष क्यों नहीं बढाया उन्होंने कहा कि बेरोजगारी का अंत व गिरती अर्थव्यवस्था का समाधान कृषि व कृषकों के विकास से ही सम्भव है जिसके लिए कृषि उत्पाद का मूल्य मंहगाई के सापेक्ष बढाना होगा देश की 70त्रआबादी जो कि कृषि आधारित है उसकी समस्या का समाधान कृषि उत्थान से होगा ये बात में एक दसक से पत्राचार ग्यापन व अन्य माध्यमों से रख रहा हूं मगर सरकार ही नहीं व्यापारी,कर्मचारी, मजदूर,नौजवान सहित समस्त राजनीतिक दल इस पर ध्यान न देकर मृगतृष्णा के शिकार बने हुए हैं आज नहीं तो कल जब यह बात सबको समझ में आयेगी कि कृषि उत्थान से ही उनका अपना व देश का उत्थान होगा कारण जब किसान मजबूत होगा तो वह खरीददारी अधिक करेगा जिससे व्यापार बढेगा व्यापार बढेगा तो सरकार का राजकोष बढेगा राजकोष बढेगा तो कर्मचारियों का वेतन भत्ता बढेगा रोजगार का अवसर बढेगा इसके लिए हम निरन्तर अपना जन जागरण जारी रखेंगें।

घाघरा नदी की कटान हुई जारी टकटकवा के ग्रामीणो बैठे धरना प्रदर्शन पर

बस्ती/दुबौलिया। जिले के दुबौलिया विकास खण्ड के गौरा सैफाबाद बाध व सरयू नदी के बीच बसे बैरागल ग्राम पंचायत के टकटकवा पुरवे के ग्रामीण सुबह से ही हो रही तेज कटान देख डर मे आ गए क्योंकि गांव से कुछ दूरी पर कटान करती हुई नदी की धारा टकटकवा गांव की बचाने के लिए बनाए गए रिंग बांध के करीब पंहुच ग्रामीण बाढ खंड से कटान रोकने के लिए मरम्मत कार्य शुरु कराने की मांग कर रहे लेकिन बाढ खंड सिर्फ आश्वासन ही दे रहा था ऐसे मे गांव के करीब पंहुची नदी को देखकर ग्रामीण नदी के सामने धरने पर बैठ गए ग्रामीणो की मांग थी की गांव के पास कटान रोकने के लिए जाल बनाकर बोल्डर डाल कर कटान रोकी जाए। थोडी देर बाद बाढ खंड के एक्सईएन दिनेश कुमार पंहुच गए धरने पर बैठे ग्रामीणो तिलकराम,देवी,राम सिंह यादव,सियाराम को समझा बुझाकर धरना समाप्त कराया और तत्काल कटान रोकने के लिए पांच कटर लगाया जाएगा जिसके बाद ग्रामीणो ने धरना बंद कर दिया।

सोनौली कोतवाली पुलिस की बड़ी कामयाबी दो हीरोइन तस्कर गिरफ्तार कब्जे से करोड़ों की हीरोइन बरामद

सोनौली कोतवाली पुलिस ने दो हीरोइन तस्करों को गिरफ्तार किया मुखबिर द्वारा सूचना मिली सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने मौके पर पहुंच निगरानी शुरू कर दी तभी तेज गति से पल्सर मोटरसाइकिल पर दो सवार आते हुए दिखाई दिए जिन्हें रुकने का इशारा करने पर वह भागने लगे भाग रहे दो युवकों को दौड़ाकर गिरफ्तार किया गया पकड़े गये युवक की पहचान सोनौली निवासी रामबाबू कुशवाहा पुत्र अच्छेलाल वार्ड नंबर 11 वाल्मीकि नगर के रूप में हुई जिसके कब्जे से 65 ग्राम नशीला पदार्थ मिला जिसे अभियुक्त हीरोइन बता रहा हैं वही दूसरे अभियुक्त की पहचान अशोक हलवाई पुत्र स्वर्गीय गुदरी लाल निवासी भैरहवा मिलन चौक तहसील लुंबिनी वार्ड नंबर 5 के रूप में हुई है इसके पास से 35 ग्राम नशीला पदार्थ हीरोइन बरामद किया गया इनके पास से 1 पल्सर मोटरसाइकिल भी मिली है इस माल की कीमतअंतरराष्ट्रीय मार्केट में लगभग एक करोड रुपए बताई जा रही है सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार यह लोग मादक पदार्थ की तस्करी में काफी दिन से बॉर्डर पर सन लिप्त थे सूचना को गंभीरता से लेकर सक्रियता दिखाते हुए एसआई प्रशांत कुमार पाठक ने कांस्टेबल ह्रदय राम कृष्णकांत उपेन्द्र कुमार के साथ तत्काल मौके पर पहुंचकर सूझबूझ से चौकसी बढ़ा निगरानी शुरू कर दी साथ ही 66 वी वाहिनी के एसआई विनोद हेड कांस्टेबल अभय गुप्ता कांस्टेबल सौरभ सिंह तारक नारायण गुप्ता मुकेश सिंह आदि भी मौजूद रहे जवानों ने डंडा पुल के पास से समय 5:40 बजे दिनांक 5/9/ 2020 को दोनों धारा कारोबारियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

सीमा पर चल रही है तस्करों की दबंगई

महराजगंज।सोनौली कोतवाली क्षेत्र के भगवानपुर में तस्करों की दबंगई से तमाम विभाग बैक फुट पर नजर आ रहे हैं। पिछले एक वर्ष पूर्व शराब तस्करी के मामले में सिपाही और तस्कर के बीच हाथापाई के बाद ऐसा लगा कि यहां तस्करी पर नकेल लगाने के लिए प्रशासन द्वारा कड़े कदम उठाये जायेंगे। मगर कुछ ऐसा होता प्रतीत नहीं हो रहा है। पुलिस पांच आरोपियों पर मुकदमा दर्ज कर चुप बैठ गई। मगर भगवानपुर क्षेत्र में तस्करी का आलम ज्यौं का त्यौं है। खाद, खाद्यान्न, कपड़े का गठिया, कनाडियन मटर, पाकिस्तानी छुहारा, काली मिर्च व जंगल के लकड़ी बेखौफ सीमा पार आर-पार किया जा रहा है। जिससे राजस्व को लाखों का चूना लग रहा है। राजस्व एकत्र करने का मुख्य विभाग कस्टम, यदाकदा ही इस क्षेत्र का रुख करता है और पुलिस भी विवाद के बजाय अब कुछ ले-देकर ही चुप्पी साधने को अच्छा समझ रही है। तस्करी के इस खेल में सेटिंग-गेटिंग की चर्चा अब सरेआम हो गई है। सोनौली कोतवाली क्षेत्र के भगवानपुर, हरदीडाली, सुंडी व खनुआ सीमावर्ती क्षेत्र तस्करी का यह खुलेआम खेल देख आसपास के गांवों के बेरोजगार युवक भी तेजी से इस खेल में शामिल हो रहे हैं। भगवानपुर के पास के अहिरौली, रेहरा, रघुनाथपुर, मैनिहवा व श्याममकाट में भी अब तस्करी परवान पर है।

हिन्दू महासभा के लखनऊ सहित चार जिलों में प्रभारी नियुक्त

लखनऊ, संवाददाता। अखिल भारत हिन्दू महासभा, उत्तर प्रदेश ने राज्य की विभिन्न जनपदों एवं महानगर इकाई कार्यकारिणी के गठन प्रक्रिया में कदम उठाते हुये लखनऊ जिला एवं महानगर सहित तीन जिलों में प्रभारियों की नियुक्ति की घोषणा की है। पार्टी के प्रदेश प्रभारी ऋषि त्रिवेदी ने लखनऊ जिला एवं महानगर सहित वाराणसी, कुशीनगर एवं बाराबंकी में प्रभारियों की नियुक्तियां की गयी है। इन नियुक्तियों में लखनऊ जिला का प्रभारी राजेश शुक्ला को, लखनऊ महानगर का प्रभारी नृपलेस निगम उर्फ नीतू निगम, वाराणसी का आशीष सिंह एवं बाराबंकी का प्रभारी पवन कुमार को बनाया गया है। इन नियुक्तियो पर प्रदेश प्रभारी ऋषि त्रिवेदी ने भरोसा जताया है कि हिन्दू महासभा जिला व महानगर, वाराणसी, कुशीनगर, बाराबंकी में पार्टी के संगठनात्मक ढांचे में मजबूती आयेगी। श्री त्रिवेदी ने बताया कि प्रदेश के अन्य जिलों में भी मण्डल, जिला एवं महानगर जिला प्रभारियो को जल्द से जल्द नियुक्त कर दिया जायेगा।

विद्यार्थी के जीवन का शिल्पकार है शिक्षक: आनंदीबेन पटेल

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने रविवार को शिक्षक का दर्जा समाज में सदैव से ही पूजनीय रहा है जो एक शिल्पकार के रूप में अपने विद्यार्थी का जीवन गढ़ता है। सोशल वेलफेयर सोसाइटी, बरेली द्वारा आयोजित 'कोविड-19 महामारी एवं शिक्षक की भूमिका विषयक वेबिनार को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिये सम्बोधित करते हुए पटेल ने कहा कि शिक्षक ही समाज की आधारशिला है। एक शिक्षक अपने जीवन के अन्त तक मार्गदर्शक की भूमिका अदा करता है और समाज को सही राह दिखाता रहता है। एक गुरू और शिक्षक अपने विद्यार्थियों को हर परिस्थिति और समस्याओं से

निपटने की राह भी दिखाता है और आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देता है।उन्होंने कहा कि आज के युग में शिक्षक की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है। एक आदर्श शिक्षक के सभी व्यवहारों का असर उसके शिष्य पर पड़ता है। इसलिए शिक्षक को चाहिए कि वह अपने विषय की पाठ्यवस्तु को इतना सहज, सरल, सुगम, सुरूचिपूर्ण एवं आनन्ददायक बनाकर पढ़ाए, ताकि बच्चों को यह पता भी न चले कि उसने अपना पाठ कब याद कर लिया। पटेल ने कहा कि अध्यापक बच्चों में देशप्रेम, अनुशासन और वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को विकसित करें। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के कारण शिक्षण की क्रमबद्धता बाधित होने से शिक्षकों सहित देश के भावी कर्णधारों के समक्ष भविष्य का प्रश्न अत्यंत स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि इसीलिए शिक्षण प्रक्रिया में, ऑनलाइन शिक्षण व्यवस्था को लाया गया है। इसने शिक्षाशास्त्र के नए प्रारूपों को गति दी है।

वास्तव में शिक्षक ही शिक्षा की वह धुरी है जो समस्त सुधारों और दूरगामी लक्ष्यों को जमीनी स्तर पर मूर्त रूप देता है। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी के अपने लाभ हैं। शिक्षकों की मदद करने और ई-लर्निंग को प्रोत्साहन देने के लिए शिक्षा की पहुंच और गुणवत्ता में सुधार के लिये निरंतर कार्य करना होगा। ई-पाठशाला विविध ई-पुस्तक आदि ऐसी ही शिक्षण सामग्री की पहुंच दूरस्थ अंचलों के छात्रों तक बनानी होगी।

यूपी में प्रतियोगिता के जरिये युवा मतदाताओं को जोड़ने की कांग्रेस की कवायद

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियां कर रही कांग्रेस पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के व्यक्तित्व और कृतित्व के जरिये युवा मतदाताओं के नये वर्ग तक पहुंच बनाने के लिये एक राज्यव्यापी प्रतियोगिता करायेगी. कांग्रेस महासचिव और दल की उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा के निर्देश पर आगामी 13-14 सितम्बर को आयोजित होने वाली इस ऑनलाइन सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के जरिये पार्टी युवा मतदाताओं के मन में राजीव गांधी सरकार द्वारा नयी पीढ़ी के लिये किये गये कार्यों के जरिये पैठ बनाना चाहेगी। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश मीडिया संयोजक ललन कुमार ने रविवार को बताया कि प्रतियोगिता में 16 से 22 साल तक के युवा हिस्सा ले सकेंगे. प्रतियोगिता के लिये अब तक साढ़े पांच लाख अभ्यर्थियों ने पंजीयन कराया है. इस प्रतियोगिता के लिये पार्टी के सभी आनुषांगिक संगठनों को जिम्मेदारी सौंपी गयी है. उम्मीद है कि 20-22 लाख युवा इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे।

मनकामनेश्वर मंदिर में 101 लोगों को ब्रेड के पैकेट व चाय की गई वितरित

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी स्थित मनकामनेश्वर मंदिर में आदिज्योति सेवा समिति द्वारा लोंगो को सेवा प्रदान की गई। लखनऊ के प्रांगण में मुख्य अतिथि महंत दिव्या गिरी जी की उपस्थिति में लोगों को ब्रेड के पैकेट और चाय बांटी गई। पितृपक्ष के 16 दिन आदिज्योति सेवा समिति द्वारा पुर्वजों को समर्पित करने का प्रण लिया गया है। साथ ही जनसेवा के अलग-अलग कार्य भी किए जा रहे हैं। 02 सितम्बर से ही कार्यक्रमों द्वारा लोगों की सेवाएं की जा रही हैं। जिसमें पहले दिन कपड़े सेनिटाइजर एवं मास्क वितरण, दुसरे दिन खाद्य सामग्री वितरण, तीसरे दिन बच्चों को समोसे, चौथे दिन बच्चों को स्पोर्ट्स किट जिसमें जूते, टी शर्ट, हाफपैंट एवं पांचवे दिन 101 लोगों को ब्रेड के पैकेट और चाय वितरित की गई। बता दें इसी प्रकार संस्था के द्वारा आने वाले 11 दिन और ये कार्य किए जायेंगे। आज के कार्यक्रम में आदिज्योति सेवा समिति की अध्यक्ष ज्योति एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे साथ ही आज की सहयोगी संस्था शम्भुका फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री अनुराग गोयल जी भी उपस्थित रहे।

गैंगरेप पीड़ित, मूक बधिर दलित बालिका के परिवार को न्याय दे राजस्थान सरकार: माया

लखनऊ, संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार से दौसा जिले के गांव बगड़ी में मूक बधिर दलित बालिका के साथ पिछले 4 अगस्त को हुये गैंगरेप के आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है। मायावती ने रविवार को ट्वीट कर कहा कि, 'राजस्थान में जिला दौसा के ग्राम बगड़ी की मूक बाधिर दलित बालिका के साथ पिछले 4 अगस्त को किए गए गैंगरेप के सभी आरोपी अभी तक नहीं पकड़े गए हैं। पीड़ित परिवार की शिकायत है कि वहाँ की कांग्रेसी सरकार उन्हें संरक्षण दे रही है, जो अति-दुःखद व अति-निन्दनीय।' बसपा अध्यक्ष ने आगे लिखा कि, 'अतः राजस्थान सरकार से मांग है कि वह अपनी दलित-विरोधी मानसिकता व कार्यशैली को त्याग कर गैंगरेप के सभी आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करके पीड़ित परिवार को जल्द न्याय दिलाएं।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन की मां का निधन, योगी ने जताया शोक

लखनऊ, संवाददाता। केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्षवर्धन की माता का रविवार को निधन हो गया है। जिसके चलते उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने डॉ. हर्षवर्धन की माता के निधन पर दुख व्यक्त किया। योगी ने ट्वीट कर लिखा कि भाजपा परिवार के वरिष्ठ सदस्य एवं मा.केंद्रीय मंत्री डॉ. हर्षवर्धन जी की पूज्य माताजी के निधन से मन अत्यंत व्यथित है। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि माताजी की आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें एवं परिजनों को इस दारुण दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ओमः शांति। बता दें कि डॉ. हर्षवर्धन ने अपनी माता के निधन की जानकारी ट्वीटर पर दी। उन्होंने लिखा, यह बताने के लिए मेरा दिल टूट गया कि पृथ्वी पर मेरा सबसे प्रिय व्यक्ति, मेरी 89 वर्षीय मां स्वर्गीय निवास के लिए रवाना हो गई हैं। डॉ हर्षवर्धन ने आगे लिखा, आज सुबह उन्हें कार्डियक अरेस्ट का सामना करना पड़ा। एक विशाल व्यक्तित्व, मेरी मार्गदर्शक और दार्शनिक ने मेरे जीवन में एक शून्य छोड़ दिया है जिसे कोई नहीं भर सकता। उनकी पवित्र आत्मा को शांति मिले।

लखीमपुर खीरी में पूर्व विधायक की निर्मम हत्या को लेकर योगी सरकार पर बरसे विपक्षी दल

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में रविवार को दिन दहाड़े हुई पूर्व विधायक की हत्या का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस मामले को लेकर अब प्रदेश की सभी विपक्षी पार्टियां योगी सरकार पर हमलावर हो गई हैं। इस मामले को लेकर जहां समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार को घेरा है, तो वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने भी सीएम योगी पर तीखे प्रहार किए हैं। इस मामले को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है, 'पुलिस की उपस्थिति में आज दिन दहाड़े लखीमपुर खीरी में तीन बार के विधायक रहे श्री निर्वेंद्र मुन्ना जी की निर्मम हत्या व उनके पुत्र पर हुए कातिलाना हमले से प्रदेश हिल गया है। भाजपा राज में प्रदेश की जनता कानून व्यवस्था के विष्य पर चिंतित ही नहीं, भयभीत भी है। निंदनीय।' अखिलेश यादव के अलावा उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने भी इस मामले को लेकर यूपी की कानून व्यवस्था पर सवालिया निशान लगाए हैं। उन्होंने कहा है कि लखीमपुर खीरी में सिर्फ 15 दिनों के अंदर 15 से अधिक हत्याएं हो चुकी हैं। आज तीन बार के विधायक रहे निर्वेंद्र कुमार मिश्र की एक विवाद में हत्या कर दी गई। अजय कुमार लल्लू ने यह भी कहा कि योगी सरकार में जंगलराज फैल चुका है। उन्होंने कहा है कि योगी आदित्यनाथ का जंगलराज ही है, जिसमें जनप्रतिनिधि तक सुरक्षित नहीं हैं। आम आदमी की सुरक्षा की तो आप कल्पना ही नहीं कर सकते।इसके अलावा लखीमपुर खीरी के इस मामले को लेकर कांग्रेस नेता अराधना मिश्रा ने भी प्रतिक्रिया दी है।

जनविकास महासभा ने की श्याम लाल वाटिका पार्क के सौंदर्यीकरण की माँग

लखनऊ, संवाददाता। जनविकास महासभा ने शहर के लाला लाजपत राय वार्ड के अंतर्गत सेक्टर एम अलीगंज स्थित पंडित श्यामलाल वाटिका पार्क के सौन्दर्यकरण की मांग की है। महासभा के लखनऊ मंडल प्रभारी शिशिर श्रीवास्तव ने बताया कि पार्क में बड़ी-बड़ी घास होने तथा कूड़े के ढेर के चलते काफी समय से बदहाल पार्क का सुंदरीकरण एवं बच्चों के झूले लगवाए जाने की मांग क्षेत्रीय नागरिक करते रहे है। श्री श्रीवास्तव ने बताया कि इस बदहाल पार्क में बड़ी-बड़ी घास और गंदगी के चलते जहरीले सांप इत्यादि जीवों का भी खतरा व्याप्त रहता है जिस कारण क्षेत्र रहने वाले लोग पार्क में नहीं जाते हैं तथा बच्चों के लिए भी खेलने की कोई जगह नहीं है। श्रीवास्तव ने बताया कि इस संदर्भ में जनविकास महासभा के माध्यम से नगर आयुक्त, को पत्र लिखकर इसके सौंदर्यीकरण एवं बच्चों के लिए झूला लगाए जाने की मांग की जायेगी।

ग्राम प्रधान की अनियमितताओं के खिलाफ मुख्य सचिव ने दिए जांच के आदेश

लखनऊ। भारतीय किसान यूनियन भानु के प्रदेश प्रभारी आशु चौधरी द्वारा बीते दिनों जनपद व तहसील लखनऊ के राजस्व ग्राम छोटा भरवारा के ग्राम प्रधान राम लखन यादव व उनकी पत्नी श्रीमती विमला यादव जो लगभग 30 वर्ष से ग्राम प्रधान के पद पर आसीन हैं। अपने कार्यकाल के दौरान श्री व श्रीमती यादव द्वारा ग्राम समाज की बंजर, खलिहान, तालाब व चक रोडो की जमीनों को लेखपाल व राजस्व अधिकारियों की मिलीभगत से विभिन्न कंपनियों जैसे भूमि विकास सोसायटी व डेवलपर कंपनियों जिसमें टी.एस. मनराल की विभिन्न भूमि समितियां श्रद्धा सहकारी आवास समिति, हिमालयन सहकारी आवास समिति, आवास विहार विकास ग्रीन सिटी, ईशानिका ग्रीन्स ईशानिका ग्रीन्स आदि को गैर कानूनी तरीके से हस्तांतरित किया जिसके खिलाफ भारतीय किसान यूनियन भानु ने 27/ 8/ 2020 को प्रदेश

प्रभारी आशु चौधरी द्वारा मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश को ज्ञापन देकर ग्राम प्रधान व राजस्व अधिकारियों एवं कंपनियों के खिलाफ जांच की मांग की थी। ज्ञापन का संज्ञान लेते हुए मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन ने पत्रांक संख्या 2730 मैं जिला अधिकारी लखनऊ को समस्त प्रकरण की विशेष टीम गठित कर जांच कराने के आदेश दिए है

भारतीय किसान यूनियन भानु के प्रदेश प्रभारी श्री आशु चौधरी ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा मुख्य सचिव महोदय को यूनियन की तरफ से मैं आभार प्रकट करता हूं साथ ही जिला अधिकारी महोदय को यह संदेश भी दे रहा हूं कि यदि किसी भी तरह की हीला हवाली हुई तो भारतीय किसान यूनियन भानु ना सिर्फ एक बड़ा आंदोलन इसके खिलाफ खड़ा करेगा बल्कि विधानसभा का घेराव भी माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह के नेतृत्व में करेगा यदि जिला प्रशासन यह चाहता है कि यूनियन आंदोलन करने पर मजबूर ना हो तो प्रकरण की ईमानदारी के साथ निष्पक्ष कार्रवाई कर सभी दोषियों के खिलाफ दंडात्मक व न्याय संगत कार्रवाई सुनिश्चित कराएं।

सफाई कार्य संतोषजनक न कराये जाने पर कार्यदायी संस्था पर 10 हजार जुर्माना

लखनऊ, संवाददाता। रायबरेली रोड, तेलीबाग, नीलमथा, वृंदावन कालोनी आदि स्थानों पर नियमित कूड़ा उठान न होने व डम्पिंग ग्राउंड तक कूड़ा पहुंचाने में लापरवाही पर नगर आयुक्त ने ईकोग्रीन को कारण बताओ नोटिस व उसके तीन अधिकारियों का दो-दो दिन का वेतन काटाने का आदेश दिया है। साथ ही सफाई कार्य में लापरवाही पर कार्यदायी संस्था पर दस हजार रुपए जुर्माना लगाया है। नगर आयुक्त अजय कुमार द्विवेदी ने रविवार को इब्राहिमपुर प्रथम वार्ड स्थित निलमथा, दुर्गापुरी व खरिका वार्ड स्थित वृन्दावन तथा शारदानगर द्वितीय वार्ड स्थित रायबरेली रोड, शहीद-पथ फ्लाईओवर के पास मुख्य मार्ग व आस-पास क्षेत्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान रायबरेली मुख्य मार्ग, तेलीबाग शनीदेव मंदिर से वृन्दावन जाने वाले मुख्य मार्ग, निलमथा स्थित दुर्गापुरी कालोनी तथा वृन्दावन कालोनी में सफाई कार्य, कूड़ा व मलवा उठान का पर्यवेक्षण नियमित रूप से न होता मिला। गंदगी फैलाने वालों पर सख्ती भी नहीं बरती गई। सम्बन्धित सफाई निरीक्षक एवं अवर अभियन्ता को कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया है। फीडबैक में लोगों ने बताया कि ईकोग्रीन नियमित रूप से डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन का कार्य नहीं कर रही है। इससे लोग सड़क व ग्रीन बेल्ट में कूड़ा फेंकने को मजबूर हैं। उन्होंने मौके पर उपस्थित इकोग्रीन के वार्ड मैनेजर, जोनल मैनेजर व मैनेजर के दो दिन का वेतन काटने के निर्देश दिया। इब्राहिमपुर प्रथम वार्ड में सफाई कार्य संतोषजनक न कराये जाने पर कार्यदायी संस्था पर 10 हजार जुर्माना लगाया गया है। साथ ही शहीद-पथ फ्लाईओवर के पास मुख्य मार्ग पर खान-पान की दुकानदार गंदगी फैलाते मिले। उनपर 500 रुपए जुर्माना लगाया गया। तेलीबाग स्थित शनीदेव मंदिर के पास टी-स्टॉल के खिलाफभी 500 रुपए जुर्माने की कार्रवाई हुई है।

राजधानी में साप्ताहिक बंदी पर दिखी सूनी सड़के

लखनऊ, संवाददाता। कोरोना का कहर लगातार जारी है। कोरोना वायरस को रोकने के लिए सरकार पूरे उत्तर प्रदेश में वीकेंड लॉकडाउन यानी शनिवार और रविवार को बंदी का निर्देश दिया था। जिस अब वीकेंड लॉकडाउन यानी केवल रविवार को बंदी की व्यवस्था है। रविवार की साप्ताहिक बंदी पर राजधानी में पहले की तरह ही लागू दिखी सभी मार्किट पूरी तरह बंद दिखे हजरतगंज, नरही, अमीनाबाद, निशातगंज, आलमबाग में रोज दिखने वाली भीड़ आज नहीं दिखी, दिखी तो केवल सुनी सड़के। जबकि अब सप्ताह में सोमवार से शनिवार तक सामान्य स्थित बनी रहेगी। लॉकडाउन के नाम पर लोगों की आवाजाही पर कोई रोक तो नहीं लगाई गई है, लेकिन लोगों को बेवजह घर से बाहर न निकलने पर कुछ क्षेत्रों में पुलिस कर्मीयो ने समझा कर वापस भेज दिया। बता दें, कि केंद्र सरकार की तरफ से अनलॉक 4 को लेकर जारी गाइडलाइन में लॉकडाउन को लेकर राज्यों को दिए गए अधिकार वापस ले लिए गए थे। जिसके बाद सूबे की योगी सरकार ने वीकेंड लॉकडाउन की व्यवस्था को समाप्त करते हुए रविवार को साप्ताहिक बंदी घोषित कर दिया। इस दौरान बाजार व व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई और सैनिटाइजेशन व दवाओं के छिड़काव का काम किया गया।

संविधान से बढ़कर शासन और प्रशासन नहीं हो सकता है: लक्ष्य

लखनऊ, संवाददाता। जैसा कि ज्ञात होगा लखनऊ के पारा थाने की घटना जो सरोसा गांव की है जिसमें एक नाबालिग दलित बच्ची के साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या कर दी गई थी और इस मामले में शासन प्रसाशन साफतौर से उदासीन दिखाई दे रहा था और पुलिस भी इस मामले को रफादफा करने में लगी रही जिसको लेकर लक्ष्य की महिला कमांडरों ने जोरदार मोर्चा खोला और शासन प्रशासन को उनके सामने झुकना पड़ा। इसी मामले में लक्ष्य की महिला टीम बराबर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए लगी हुई है। इसी कड़ी में आज लक्ष्य कमांडर्स पीड़ित परिवार को लेकर मुख्यमंत्री आवास पर गए तो वहां पर तैनात पुलिस वालों ने कहा कि वे अपना शिकायत पत्र उनके कार्यालय जो लखनऊ के लोक भवन में स्थित है, वहां जमा कर सकते है। जैसे ही लक्ष्य की महिला कमांडर वहां पहुंची तो तुरंत वहां भारी तादात में पुलिस बल तथा मीडिया कर्मी पहुंच गए और सभी कमांडरों को बिना कारण के हिरासत में ले लिया और कई किलोमीटर दूर मान्यवर कांशीराम जी इको गार्डन धरना स्थल में ले गए और जहाँ उनको लगभग चार घंटे तक बैठाए रखा तथा जब पुलिस आला अधिकारीयों के पास अन्य लक्ष्य कमांडरों के फोन आने लगे तो उनको अनहोनी की आशंका हुई तो तुरंत आनन-फानन में सभी कमांडरों को छोड़ दिया गया। लक्ष्य कमांडरों ने शासन प्रशासन के इस रवैये पर दुःख प्रकट करते हुए कहा कि उनको अपनी जातीय मानसिकता को बदलना होगा । उन्होंने कहा कि लक्ष्य की टीम किसी भी चुनौती का मुकाबला करने के लिए तैयार है। हम बहुजन समाज के अधिकारों के लिए संघर्ष करते रहेंगे।

लक्ष्य कमांडरों ने चेताते हुए कहा कि संविधान से बढ़कर शासन व प्रशासन नहीं हो सकता है और अब अम्बेडकरवादी आंदोलन को दबाना मुश्किल ही नहीं बल्कि नामुमकिन है क्योंकि बहुजन समाज अपने परिवर्तन की करवट बदल रहा है। इतना सब होने पर उनके साथ में पुलिस की गाड़ी लगाई गई ताकि वो अपने घरों तक सुरक्षित पहुंच सकें। लक्ष्य की इस टीम में पीड़ित परिवार के साथ लक्ष्य कमांडर रेखा आर्या, चेतना राव, विजय लक्ष्मी गौतम, नीलम चौधरी,रूबी गौतम, रश्मि गौतम और लक्ष्य युथ कमांडर अखिलेश गौतम, राहुल गौतम, राज व धर्मराज गौतम शामिल रहे।

दिनदहाड़े पूर्व एमएलए की हत्या पर बोले अखिलेश यह वारदात भयभीत करती है

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश लखीमपुर खीरी में निघासन खीरी से तीन बार विधायक रहे निर्वेन्द्र कुमार मिश्रा मुन्ना की जमीनी विवाद में दबंगों ने लात-घूसों से पीट-पीटकर हत्या कर दी है। इस पर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि ये वारदात भयभीत करती है। यह निंदनीय है। अखिलेश ने ट्वीट किया कि पुलिस की उपस्थिति में आज दिनदहाड़े लखीमपुर में तीन बार के विधायक रहे निर्वेन्द्र मुन्ना की निर्मम हत्या व उनके पुत्र पर हुए कातिलाना हमले से प्रदेश हिल गया है। उन्हें श्रद्धांजलि! भाजपा राज में प्रदेश की जनता कघनून-व्यवस्था के विषय पर चिंतित ही नहीं, भयभीत भी है। यह निंदनीय है। बता दें कि इस वारदात में मृत पूर्व विधायक के पुत्र की हालत गंभीर है। एजाज नामक बदमाश ने गुर्गों संग मिलकर हत्या की जघन्य वारदात को अंजाम दिया।

लखनऊ और गोरखपुर में दो बड़े कोविड अस्पतालों का लोकार्पण करेंगे योगी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को लखनऊ और गोरखपुर में दो बड़े कोविड अस्पतालों का लोकार्पण करेंगे। प्रदेश के गृह एवं सूचना विभाग के अपर मुख्य सचिव अवनीश कुमार अवस्थी ने रविवार को बताया कि मुख्यमंत्री सोमवार सुबह गोरखपुर मेडिकल कॉलेज स्थित बाल चिकित्सा संस्थान में 300 बिस्तरों वाले लेवल-3 कोविड अस्पताल का लोकार्पण करेंगे। उन्होंने बताया कि सोमवार की ही शाम को मुख्यमंत्री राजधानी लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में 320 बेड के कोविड अस्पताल का भी लोकार्पण करेंगे। अवस्थी ने बताया, ''केजीएमयू उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा कोविड अस्पताल हो जाएगा। इसमें अत्याधुनिक व्यवस्था होगी। इसमें आईसीयू के 100 बिस्तर, छह पीआईसीयू और छह एनआईसीयू बिस्तर शामिल होंगे। इसमें चार ऑपरेशन थियेटर होंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री आज गोरखपुर के दौरे पर हैं। योगी ने महत्वपूर्ण कार्यक्रम के तहत केन्द्रीय नागर उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी के साथ कुशीनगर हवाईअड्डे का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के साथ कुशीनगर एयरपोर्ट का निरीक्षण किया

कुशीनगर एयरपोर्ट पूर्वी उत्तर प्रदेश के विकास में मील का पत्थर साबित होगा: मुख्यमंत्री

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव सूचना एवं गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने आज यहां लोक भवन में प्रेस प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री गोरखपुर दौरे पर हैं तथा गोरखपुर में कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में शामिल हुए हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप पुरी के साथ कुशीनगर एयरपोर्ट का संयुक्त निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि यह उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शुरू किया गया महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है, जिसेएयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इण्डिया ने टेकओवर कर लिया है, पट्टी का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। उन्होंने बताया कि यह पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए बहुत बड़ा इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलेपमेंट होगा। श्री अवस्थी ने

बताया कि सिविल एविएशन बिल्डिंग का कार्य भी पूर्ण हो रहा है। यह योजना बुद्धिस्ट सर्किट के लिए भी विशेष होगा। प्रदेश के विकास में यह योजना मील का पत्थर साबित होगी।

श्री अवस्थी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कल पूर्वान्ह में बी0आर0डी0 मेडिकल कॉलेज गोरखपुर के बाल चिकित्सा संस्थान में 300 शैय्यायुक्त कोविड-19 अस्पताल लेवल-3 का उद्घाटन करेंगे। उनके साथ इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षा एवं वित्त मंत्री सुरेश खन्ना भी रहेंगे। उन्होंने कहा कि यह कोविड का बड़ा अस्पताल है जो बी0आर0डी0 मेडिकल कॉलेज के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि इसी क्रम में मुख्यमंत्री जी द्वारा कल सायंकाल के0जी0एम0यू0 मेडिकल कॉलेज लखनऊ में भी 320 शैय्यायुक्त कोविड-19 चिकित्सालय का उद्घाटन करेंगे। यह प्रदेश का सबसे बड़ा कोविड-19 हॉस्पिटल होगा। उन्होंने बताया कि इस उद्घाटन अवसर पर वित्त एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना, विधायी एवं न्याय मंत्री ब्रजेश पाठक तथा राज्य मंत्री चिकित्सा शिक्षा संदीप सिंह भी उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि इस कोविड-19 हॉस्पिटल में सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। इसमें आई0सी0यू0 के 100 बेड, पी0आई0सी0यू0 के 6 बेड, एन0आई0सी0यू0 के 06 बेड तथा 04 ऑपरेशन थिएटर होंगे। उन्होंने बताया कि यह एक बेस अस्पताल होगा जिसके माध्यम से कोविड-19 के मरीजों का इलाज सुचारू रूप से किया जायेगा। श्री अवस्थी ने बताया कि उत्तर प्रदेश के लिए यह हर्ष की बात है कि इज ऑफ डूइंग बिजनेस में उ0प्र0 देश में दूसरा स्थान आया है, जिसे केन्द्रीय वित्त मंत्री जी ने कल ही घोषित कर दिया था। उन्होंने बताया कि कल ही मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि प्रदेश आगे भी इसी तरह से मेहनत करता रहेगा और अव्वल स्थान प्राप्त करेगा। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में इन्फ्रास्ट्रक्चर, इन्वेसमेंट तथा प्रत्येक सेक्टर के लिए योजनाएं लागू की जाएंगी। रोजगार एवं मैनपॉवर पर जोर दिया जायेगा।

कोरोना संकट के बीच आज से ट्रैक पर दौड़ेगी लखनऊ मेट्रो

लखनऊ, संवाददाता। कोरोना महामारी में बंद हुई मेट्रो 7 सितंबर से अपना संचालन एक बार फिर से शुरू करने जा रहा है। कोरोना वायरस के मद्देनजर कई इंतजाम किए गए हैं। साथ ही सोशल डिस्टनसिंग का पूर्ण रूप से पालन होगा। मेट्रो के अंदर ही सभी स्टेशन पर सोशल डिस्टनसिंग का पालन होना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही साइनेटाइजेशन कार्य के लिए हर स्टेशन पर लगभग 1 मिनट के लिए दरवाजा खुलेगा।

वेंटिलेशन का भी पूरा ख्याल रखा जाएगा। परिसर के अंदर मास्क अनिवार्य होगा। साथ ही मेट्रो के अंदर भी मास्क अनिवार्य होगा। इसी साथ आरोग्य सेतु ऐप भी इंस्टॉल करना होगा, लेकिन अगर स्मार्ट फोन नहीं है तो यात्री अपना नाम व नंबर लिखवा कर कर सकते हैं। इस बारे में मेट्रो

रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक कुमार केशव ने बताया कि वहीं सफर से पहले यात्रियों को प्रवेश द्वार पर अपनी थर्मल स्कैनिंग सैनिटाइजेशन और आरोग्य सेतु एप दिखाकर ही प्रवेश मिलेगा। स्मार्ट कार्ड की भी सुविधा होगी। स्टेशन परिसर के अंदर चेकिंग भी सोशल डिस्टनसिंग के माध्यम से होगी। यात्रियों को हर 5रू30 मिनट में मेट्रो मिलेगी। यात्रियों को मेट्रो के लिए लंबे समय तक इंतजार नहीं करना होगा। हर कोच में 100 से अधिक यात्री नहीं बैठाये जाएंगे कुल मेट्रो में 40 फीसदी यात्री सफर कर सकेंगे।

फेसबुक को लेकर वैश्विक चिन्ता

आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक प्रगति में सूचना क्रांति ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है किंतु सूचना क्रांति की ही उपज, सोशल मीडिया को लेकर उठने वाले सवाल भी महत्त्वपूर्ण हैं। ये सवाल हैं- क्या सोशल मीडिया हमारे समाज में ध्रुवीकरण की स्थिति उत्पन्न कर रहा है तथा समाज की प्रगति में सोशल मीडिया की क्या भूमिका होनी चाहिये? फेसबुक पर अभिव्यक्ति और अभिव्यक्ति पर अंकुश, दोनों ही विषयों पर भारत में ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में चिंता का आलम है, तो कोई आश्चर्य नहीं। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, दोनों को ही फेसबुक से शिकायत है। मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस पिछले कुछ दिनों से लगातार फेसबुक की शिकायत करती आ रही है, तो अब केंद्र सरकार ने भी आधिकारिक रूप से अपनी नाराजगी का इजहार कर दिया है। केन्द्र की सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी संसदीय समिति इस मामले पर ज्यादा सक्रिय थी, तो उधर पश्चिम बंगाल सरकार या तृणमूल कांग्रेस ने भी फेसबुक से अपनी नाखुशी का इजहार कर दिया है। विवादों में घिरी फेसबुक पर भारत ही नही कई देशों में चुनाव में दखल देने के आरपा लग चुके है। फेसबुक पर आरोप है कि वह लाइक पोस्ट के डेटा जुटाकर बेचती है। पिछली बार अमरीका के चुनाव मे नौ करोड़ डेटा चोरी होने का खुलासा हुआ था। अब जरा इस बॉत पर भी गौर कर लिया जाए कि फेसबुक का विस्तार कितना है तो वर्तमान समय में 250 करोड़ लोग फेसबुक में संक्रिय है इसमें भारतीय की संख्या 26 करोड़ है। जहॉ अमरीकी यूजर की फेसबुक प्रोफाइल की कीमत पॉच गुनी तो भारतीय यूजर की प्रोफाइल की कीमत 2800 रूपये बताई जाती है। फेसबुक की तिमाही आय भी चौकाने वाली है इसका तिमाही मुनाफा 30 प्रतिशत तक है। भारत, अमरीका, ब्रिटेन,श्रीलंका और फिलीपींस द्वारा फेसबुक पर लगाए गए आरोपों का कुल निचोड़ यह है कि सभी को फेसबुक से शिकायत है और सभी चाहते हैं कि इसे नियंत्रित किया जाए। ताजा खबर यह है कि अनेक देशों में फेसबुक ने अपने अधिकार बढ़ा लिए हैं और अब वह आपत्तिजनक या स्थानीय कानूनों या नियामकों के मद्देनजर कंटेंट को हटा या बाधित कर सकता है। एक अक्तूबर से फेसबुक यह काम करने लगेगा। उसने अपने उपभोक्ताओं को इस बारे में सूचित करना शुरू कर दिया है। यह जरूरी है कि ऐसे ही नियम भारत में भी लागू हों। स्थानीय कानूनों के अनुरूप ही किसी पोस्ट के प्रसारण को मंजूरी मिले। इससे पहले अमेरिका में तीन नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में विदेशी दखल के बढ़ते खतरे के बीच फेसबुक और ट्विटर दुष्प्रचार रोकने की कवायद में जुट गए हैं। इन दोनों सोशल मीडिया प्लेटफार्म ने कई उपायों का एलान किया है।वहीं, दूसरी ओर जुलाई के अंतिम सप्ताह के दौरान शीर्ष रिपब्लिकन सांसदों ने चुनाव में चीनी सोशल मीडिया एप टिकटॉप की भूमिका को लेकर चिंता जताई थी। उन्होंने यह आशंका व्यक्त की थी कि चीन इस एप के इस्तेमाल से चुनाव को प्रभावित कर सकता है। हाल ही में अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने भी चेतावनी जारी की थी कि चुनाव में चीन, रूस और ईरान दखल दे सकते हैं। इस बीच फेसबुक ने ऐसे केंद्रों का एलान किया, जिनसे अमेरिकी मतदाता चुनाव के बारे में आसानी से सटीक जानकारी हासिल कर सकेंगे। जबकि

ट्विटर ने मेल के जरिये होने वाले मतदान के बारे में झूठी खबरों के प्रसार पर अंकुश लगाने के लिए अपने नियमों को और सख्त कर दिया है। इन कदमों का एलान ऐसे समय किया गया है, जब इन सोशल मीडिया प्लेटफार्म की इस बात को लेकर आलोचना हो रही है कि झूठी खबरों को रोकने में इनका रवैया ढीला है। इन पर वर्ष 2016 के राष्ट्रपति चुनाव में झूठी खबरों के प्रसार का माध्यम बनने का आरोप लगा था। यूएस चुनाव को लेकर फेसबुक ही नही बल्कि ट्विटर भी सक्रिय हुआ और ट्विटर की वाइस प्रेसिडेंट जेसिका हरेरा फ्लेनिगन की तरफ से बयान आया कि हम नई नीतियों के साथ हर वोटर को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफार्म की वाइस प्रेसिडेंट नाओमि ग्लाइट के मुताबिक वोटिंग इंफार्मेशन सेंटर फेसबुक और इंस्टाग्राम पर उपलब्ध होगा। यह बेहद महत्वपूर्ण है कि हम अपने चुनावों की पवित्रता को बनाए रखने में मदद कर रहे हैं। सवाल यह उठता है कि कोई भी राजनैतिक दल हो या फिर सरकार सभी चाहते है कि सोशल मीडिया के माध्यम से उनकी पैठ बढ़े उनकी कीर्ति का गुणगान हो लेकिन जब ऐसा नही होता या सोशल मीडिया से किसी भी दल या सरकार को हानि होने लगती है तो आरोप प्रत्यारोप का दौर शुरू हो जात है। कई बार ऐसा ही होता है कि सोशल मीडिया कम्पनिया अपने पास एकत्रित डाटा का बेजा प्रयोग भी करती है। दरअसल, फेसबुक अमेरिका से लेकर भारत तक एक ऐसा सशक्त मंच बच चुका है, जिस पर हरेक पक्ष, विचार, संगठन के लोग समान रूप से सक्रिय हैं। यह बात छिपी नहीं है कि अनेक कंपनियां और सियासी पार्टियां भारी धन खर्च करके फेसबुक के माध्यम से अपना-अपना नैरेटिव लोगों के गले उतारने में जुटी रहती हैं और इस प्रक्रिया को किसी भी सोशल मंच पर रोकने के लिए नियम-कायदे कड़े करने की जरूरत है। यह जरूरी है कि फेसबुक को अंकुश में रखा जाए और अंकुश किसी सत्ताधारी पार्टी या सरकार का नहीं, बल्कि नियम-कायदों का हो। भारत में अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग पार्टी की सरकारें हैं और जो पार्टी जहां मजबूत है, वहां वह अपने हिसाब से फेसबुक को ही नहीं, बल्कि अन्य सोशल मंचों को भी संचालित करने की कोशिश करती है। एक गंभीर समस्या और है। ऐसे सोशल मंच वाली कंपनियों में काम करने वाले इंसान ही हैं और उनकी भी अपनी विचारधारा संभव है। आज फेसबुक कंपनी के विरुद्ध सबसे बड़ी शिकायत यही है कि वह विचारधारा के आधार पर कटेंट का संपादन कर रही है। अच्छा यही होगा कि फेसबुक अपने संपादकों व कर्मचारियों को निष्पक्ष और संवदेनशील बनाए। ऐसा नहीं हो सकता कि कोई सोशल मीडिया मंच पैसे लेकर किसी कटेंट को रोके या प्रसारित करे। यह आम लोगों का मंच है और यहां जिसकी लाठी उसकी भैंस की कहावत चरितार्थ नहीं होनी चाहिए। आज सरकार से भी बड़ी जिम्मेदारी संसदीय समिति की है, जिसमें सभी दलों के नेता हैं। उन्हें सर्वानुमति से एक आचार संहिता का निर्माण करना चाहिए। कानून के दायरे में नागरिकों के अधिकारों की रक्षा बहुत जरूरी है और उससे भी जरूरी है सोशल मंचों के दुरुपयोग को रोकना। यदि हम इस मंच के दुरुपयोग को रोक पाते हैं, तो यह हमारी एक बड़ी सफलता होगी। जहां तक फेसबुक का सवाल है, तो उसके लिए सबसे बड़ी सफलता यही होगी कि वह सत्ता या धन के अनावश्यक दबाव में अपना दुरुपयोग न खुद करे और न किसी को करने दे।भले ही फेसबुक ने हालिया उठे विवाद और आरोप के बीच जल्द भी काफी कुछ सुधार का आश्वासन दिया है लेकिन उसे अब यह तय करना होगा कि न तो उसके प्लेटफार्म का दुरूप्रयोग हो न ही वह किसी के साथ पक्षपात करता नजर आए। सोशल मीडिया का दुरुपयोग भी कई रूपों में किया जा रहा है। इसके जरिये न केवल सामाजिक और धार्मिक उन्माद फैलाया जा रहा है बल्कि राजनीतिक स्वार्थ के लिये भी गलत जानकारियाँ पहुँचाई जा रही है। इससे समाज में हिंसा को तो बढ़ावा मिलता ही है, साथ ही यह हमारी सोच को भी नियंत्रित करता है। अतः आवश्यक है कि निजता के अधिकार का उल्लंघन किये बिना सोशल मीडिया के दुरुपयोग को रोकने के लिये सभी पक्षों के साथ विचार-विमर्श कर नए विकल्पों की खोज की जाए, ताकि भविष्य में इसके संभावित दुष्प्रभावों से बचा जा सके।

सम्पादकीय

अवसाद या आवेश के निहितार्थ

आत्महत्या हो या हत्या, दोनों ही हालत में होने वाली हत्या मनोरोगियों के एक ही विकार की वजह से हुई घटना है। मरीज की मानसिक हालत पर निर्भर करता है कि वह आत्महत्या करेगा या हत्या। मिसाल के लिए, एक मामला सामूहिक आत्महत्या का है, जिसमें अवसाद से पीड़ित एक मां आत्महत्या करती है, लेकिन अपने बच्चों को भी जीवित नहीं छोड़ती। कोई अवसाद के लिए इलाज करा रहा था और उसने आत्महत्या कर ली, तो इसका मतलब यह नहीं कि इसके लिए उसका अवसाद जिम्मेदार है। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के मामले में भी यह बात लागू होती है। यदि यह तय किया जाना है कि क्या उन्हें ऐसा अवसाद था, जिसके कारण उन्होंने आत्महत्या कर ली, तो मैकनोटेन रूल के तहत वही पैरामीटर लागू करना होगा, जो मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति द्वारा की गई हत्या के मामले का आकलन करने में लागू होता है। यह समझने के लिए कि अवसाद की वजह से आत्महत्या की कोशिश करने वाले व्यक्ति की मानसिक स्थिति क्या है, हमें एक सामान्य व्यक्ति की स्थिति की कल्पना करनी होगी, जो अपने जीवन में ऐसी ही स्थिति का सामना कर रहा हो। उस व्यक्ति के बारे में सोचें, जिस पर बहुत कर्ज है और जिसके लिए कोई भविष्य या गुंजाइश नहीं। उसे लगता है, उसका सारा परिवार अपमानित हो सकता है या उसे सलाखों के पीछे डाला जा सकता है। ऐसे में, उसके लिए बेहतर क्या है कि वह मर जाए या जीवित रहकर बिगड़े हालात का सामना करे? वह आत्महत्या के बारे में सोच सकता है, लेकिन फिर वह यह भी सोचता है कि उसके प्रियजनों को कष्ट होगा। वह दुविधा में होता है, और तय नहीं कर पाता कि क्या किया जाए। अनिश्चितता की यह स्थिति उसके दर्द को बढ़ा देती है, उसे और उदास कर देती है। अवसाद में वृद्धि उसकी शारीरिक शक्ति व ऊर्जा में कमी की वजह बनती है। कई बार उसमें इतनी ताकत नहीं होती कि वह हत्या या आत्महत्या को अंजाम दे सके। इसलिए गंभीर अवसाद में रहने वाले लोग आमतौर पर आत्महत्या करने में सक्षम नहीं होते या अगर कोशिश करते हैं, तो अक्सर नाकाम रहते हैं। देखा गया है कि अवसादग्रस्त लोग आत्महत्या करते भी हैं, तो कुछ उपचार के बाद। ऐसे लोग अपने प्रियजनों के लिए कोई पत्र छोड़ जाते हैं, क्योंकि वे नहीं चाहते कि उन्हें नुकसान उठाना पड़े। ऐसी आत्महत्या के अन्य कारण भी हो सकते हैं, जिसमें लोग कोई पत्र नहीं छोड़ते, इसके पीछे क्रोध या बदला लेने की इच्छा हो सकती है। आज हमें अलग ढंग से भी सोचना होगा, आज से कुछ साल पहले आत्महत्या को अपराध माना जाता था। अगर कोई आत्महत्या की कोशिश के बावजूद बच जाता था, तो उस पर मुकदमा चलता था, मगर अब यदि यह साबित हो जाए कि व्यक्ति ने अवसाद की वजह से आत्महत्या की है, तो इसे अपराध नहीं माना जाता। मान लीजिए, सुशांत बच गए होते और उन पर आत्महत्या की कोशिश का केस चलता, तो उन्हें अपने बचाव में साबित करना पड़ता कि मैं अवसाद में था। आज घरों में दस झगड़े होते हैं, कोई भी कह देता है कि मैं मरने जा रहा हूं। बच्चों को मां डांटती है, तो कह देते हैं, मर जाऊंगा। वह बच्चा अगर आत्महत्या की कोशिश करता है, तो क्या हम कहेंगे कि उसे अवसाद था? अवसाद की वजह से आत्महत्या हुई है या नहीं, यह तय करने के लिए हमें बीमारी की गंभीरता को समझना होगा। घटना से दो-तीन दिन पहले सुशांत की जो स्थिति थी, क्या वह यह सोचने-समझने की स्थिति में नहीं थे कि क्या करने जा रहे हैं? कहा जा रहा है कि उनके घर पार्टी हो रही थी और वह अवसाद में थे, दोनों बातों में विरोधाभास है। अगर वह सोचने-समझने की स्थिति में थे, तो अवसाद कारण नहीं है। अपनी जान लेने के अनेक कारण हो सकते हैं, कोई आदमी क्षणिक आवेश में आकर भी ऐसा कर सकता है। जिन दवाओं की सूची सुशांत मामले में सामने आ रही है, उन्हें मैं गंभीर स्थिति की दवा नहीं कहूंगा। अगर मनोचिकित्सक कहते हैं कि दवाएं न लेने से कुछ भी हो सकता है, तो उनकी मात्रा से यह पता चलना चाहिए कि जो मात्रा दी जा रही थी, वह गंभीर बीमारी में दी जाती है। आज अवसाद आम हो गया है, रोजगार के लिए लोग परेशान हैं। ऐसे में, अगर कोई मनोबल बनाए रखने के लिए कोई दवाई लेता है, तो इसका मतलब यह नहीं कि उसे गंभीर अवसाद की बीमारी है। सुशांत के व्यवहार से नहीं लगता कि उन्हें गंभीर बीमारी थी। दूसरी चर्चा चल रही है कि बाइपोलर होने की। वैसे सुशांत को दी जा रही जो दवाएं मैंने देखी हैं, उनमें कोई भी बाइपोलर बीमारी की नहीं है। क्या दो-तीन साल के दौरान उनके किसी भी वीडियो में दिखता है कि सुशांत की स्थिति बाइपोलर थी? जो बाइपोलर होता है, वह साफ नजर आ जाता है। इसमें इंसान कमा भले दस रुपये रहा हो, लेकिन करोड़ों की योजनाओं पर काम करके खुद को मुसीबत में डाल लेता है। मेनिया में इंसान को मूड्स स्टेबलाइजर दवा भी दी जाती है, जिससे भावना में ज्यादा उतार या चढ़ाव न हो। सुशांत की दवाओं में कोई ऐसी नहीं दिखती, जिसे मूड्स स्टेबलाइजर कहा जाए। आजकल बच्चे कई बार ज्यादा आक्रामक ढंग से हठ करते हैं, मां-बाप के लिए दुविधा वाली स्थिति हो जाती है। यहां तय करना होगा कि यह अवसाद है या भावनात्मक असंतुलन। ऐसी स्थिति में कोई हो, तो आसपास के लोगों को सजग हो जाना चाहिए। विशेषज्ञों को फैसला लेना चाहिए कि किस स्तर का अवसाद है और क्या उपचार किया जाए। 99 प्रतिशत मामलों में गंभीर अवसाद नहीं, क्षणिक आवेश होता है। आज जरूरी है कि कभी अपने मन में मरने के विचार को नहीं आने दें।

अर्जित नहीं प्रबंधित लोकप्रियता के षड़यंत्र

भारत वर्ष में ऐसी अनेक हस्तियां गुजरी हैं जिन्होंने न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की है। यह लोकप्रियता उन्होंने अपने जीवन दर्शन,कारगुजारियों अपने साहस व नीतियों ,अपने बलिदान,जीवन चरित्र व विचारों आदि के बल पर स्वतः अर्जित की है। इसके लिए सम्राट अशोक,महात्मा बुध,स्वामी विवेकानंद,महात्मा गाँधी,पंडित जवाहरलाल नेहरू जैसे अनेक नेताओं व मार्ग दर्शकों ने कभी किसी तरह का पी आर या जनसंपर्क प्रबंधन नहीं कराया। अपनी लकीरों को बड़ा करने के लिए इन्होंने कभी किसी दूसरी लकीर को छोटा करने का प्रयास नहीं किया। आज दक्षिणपंथी सोच रखने वाले लोग व उनके समर्थक जिस महात्मा गांधी व पंडित नेहरू पर तरह तरह के लांछन लगाकर उनके चरित्र हनन का प्रयास करते रहते हैं उनके समान कुर्बानियां देने वाला इनके पूरे वैचारिक कुनबे में एक भी नहीं। अन्यथा आज नर्मदा किनारे विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा लगाने के लिए कांग्रेस के ही नेता सरदार पटेल की प्रतिमा लगाने की जरुरत नहीं पड़ती। यदि कोई ऐसी प्रतिमा बनवाता भी है तो इसके लिए पहली-दूसरी व तीसरी सभी प्राथमिकताएं अपने दल,संगठन या विचारधारा के उन महापुरुषों या नेताओं की होंगी जिन्हें वह अपना आदर्श व प्रेरणा स्रोत मानता हो। न कि उस संगठन के किसी नेता की जिससे कि इतना बैर हो कि पूरे देश को ही कांग्रेस मुक्त किये जाने की बात की जा रही हो? बहरहाल, लोकप्रियता प्रबंधित करने या अपने मुंह मियाँ मिट्ठू बनने के इस खेल की शुरुआत पेशेवर तरीके से दो दशक पूर्व गुजरात से हो चुकी थी। इसके पहले न ही कोई राज्य वाइब्रेंट ,काँपता या थरथराता था। न ही किसी प्रगतिशील या विकसित राज्य को चुनाव के दौरान देश में किसी मॉडल के रूप में पेश किया जाता था। याद कीजिये वह दौर जब यदि दूर दर्शन के समाचार प्रधानमंत्री राजीव गाँधी के चित्र सहित दो से अधिक समाचारों का भी वाचन कर देते थे तो पूरी दूर दर्शन संस्था को ही राजीव दर्शन का नाम दे दिए गया था। जब इंदिरा गाँधी ने 1975 में आपात काल लगाकर देश के मीडिया पर नियंत्रण किया था उस समय उन्हें देश का सबसे बड़ा तानाशाह बताया गया था। आज तक आपात काल की सख्तियों व तानाशाही को याद कर कांग्रेस विरोधी व आपात काल के भुक्तभोगी अपनी मासूमियत व अपने कथित लोकतॉंत्रिक संघर्ष को याद कर इंदिरा गाँधी की तुलना हिटलर जैसे तानाशाह से करते हैं। कई राज्यों में तो आपातकाल के समय जेल जाने वाको पेंशन काले सेनानियों भी प्रावधान किये जाने का समाचार है। परन्तु आज जबकि देश में कोई आपातकाल नहीं है,देश में कथित तौर से पूरी आजादी व लोकतंत्र है। परन्तु देश का मीडिया आपातकाल से भी कई गुना ज्यादा सत्ता का गुलाम हो गया है। गोदी मीडिया व चाटुकार व दलाल मीडिया जैसे शब्दों का चलन भी अब शुरू हुआ है। सत्ताधारी सांसद व नेता टी वी चौनल्स के मालिक बने बैठे हैं और एक सूत्रीय उद्देश्य पर चलते हुए सत्ता का गुणगान कर रहे हैं। उनके निशाने पर सत्ता नहीं बल्कि विपक्ष है। आए दिन उन पत्रकारों की हत्या हो रही है जो प्रबंधित लोकप्रियता के मोह जाल में फंसने के बजाए पत्रकारिता का दायित्व निभाते हुए स्वतंत्र व निष्पक्ष होकर अपनी राय रखते हैं तथा सत्ता शासन व समाज सभी को आईना दिखाने का काम करते हैं। परन्तु प्रबंधित लोकप्रियता के अंतर्गत कभी विकीलीक्स के हवाले से गुजरात में ही अपनी झूठी तारीफ के पुल बांधे जाते हैं तो कभी प्रचार माध्यमों के द्वारा सैन्य उपलब्धियों का तमगा भी अपने नाम करने की कोशिश की जाती है। बाकायदा पूरा आई टी सेल प्रबंधित लोकप्रियताश् अर्जित करने के काम में लगा हुआ है। अभी पिछले दिनों फेस बुक को लेकर कितना शर्मनाक खुलासा किया गया। किस प्रकार कथित तौर पर फेस बुक की भारतीय मूल की कर्मचारी से मिली भगत कर अपनी छवि चमकाने,विपक्ष की छवि खराब करने यहाँ तक कि दिल्ली दंगे कराये जाने तक का घिनौना व अमानवीय षड़यंत्र रचा गया? यह सब कुछ श्प्रबंधित लोकप्रियता अर्जित करने का ही घिनौना षड़यंत्र था। सर्वोच्च न्यायालय अयोध्या विवाद पर अपना निर्णय राम मंदिर के पक्ष में सुनाता है परन्तु इसका भी श्रेय सत्ताधारी ले रहे हैं। मीडिया इसमें सत्ता का न केवल साथ दे रहा है बल्कि वह स्वयं इस प्रबंधित लोकप्रियता हासिल करने वाले षड़यंत्र का सिपाह सालार बनना चाह रहा है।आज देश का घरेलू सकल उत्पाद देश के इतिहास के न्यूनतम स्तर तक पहुँच गया है। देश में करोड़ों लोग बेरोजगार हो चुके हैं। शिक्षित वर्ग के लोगों को नौकरी से अवकाश की आयु 50 वर्ष किये जाने का समाचार है जबकि नेताओं के अवकाश लेने की कोई आयु नहीं? मंहगाई भी अपने चरम पर है। जनता भूखी प्यासी रहने व तंगहाली में आत्म हत्या करने मजबूर हो रही है,शिक्षा की हालत बाद से बदतर हो रही है। कोरोना काल में देश बेहद खतरनाक दौर से गुजर रहा है। परन्तु प्रबंधित मीडिया यही बता रहा है की चीन थर थर कांप रहा है, इमरान खान की हवा निकल गयी है,विपक्ष कोमा में चला गया है,पूरा विश्व भारत के आगे दंडवत होने जा रहा है,अर्थव्यवस्था चुस्त दुरुस्त है,देश में राम राज्य आ गया है। आज देश की अनेक नव रत्न कंपनियाँ निजी हाथों में सौंपी जा रही हैं। रेलवे व हवाई अड्डे भी प्राइवेट हाथों में दिए जा रहे हैं, परन्तु श्प्रबंधित लोकप्रियताश् के सेनानी सब कुछ ठीक ठाक बता रहे हैं । लॉक डाउन की शुरुआत में करोड़ों लोग बेरोजगार व बेघर होकर सड़कों पर हजारों किलोमीटर पैदल चलते हुए अपने गांव-कस्बे पहुंचे। रास्ते में सैकड़ों लोग दुर्घटना का शिकार हुए या भूखे प्यासे मर गए परन्तु प्रबंधित लोकप्रियता के झंडाबरदारों को सरकार द्वारा गरीबों को दिया जाने वाला मुफ्त का चना,चावल व गेंहू तो दिखाई दिया करोड़ों लोगों का दिन रात सड़कों पर भूख प्यास से परेशान होना व उनके पैरों के जख्म व छाले नहीं नजर आए। परन्तु ऐसा लगता है कि प्रबंधित लोकप्रियता के इस नाटक व षड़यंत्र की कलई खुलने लगी है। सोशल मीडिया के जिन प्लेटफॉर्मस पर यह सत्ताधारी इस लिए नाज करते थे कि इनके दर्शकों में पसंद करने व अनुयाइयों वालों की तादाद बढ़ती जा रही है उन्हीं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मस पर अब पसंद के बजाए नापसंद करने वालों की तादाद पसंद करने वालों से कई गुना ज्यादा हो गयी है। प्रधानमंत्री के मन की बात से लेकर भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा व उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्य नाथ व अब सत्ता समर्थन में प्रसारित होने वाले अनेक कार्यक्रमों में यही देखा जा रहा है। देश के जो बेरोजगार युवक प्रधानमंत्री के आह्वान पर कोरोना को भगाने के लिए 22 मार्च को शाम 5 बजे 5 मिनट तक अपनी ताली व थाली पीट रहे थे उन्होंने ही 5 सितंबर की शाम पूरे देश में अपनी अपनी थाली व ताली बजाकर सरकार के विरुद्ध अपना आक्रोश व्यक्त किया है। जाहिर है प्रबंधित लोकप्रियता झूठ बोलकर सामयिक रूप से तो अर्जित की जा सकती है। झूठ की बुनियाद पर इसका अस्थाई साम्राज्य भी स्थापित किया जा सकता है परन्तु इससे न तो देश में बेरोजगारी दूर हो सकती है न मंहगाई,न स्मार्ट सिटी बनाने के 7 वर्ष पुराने वादे पूरे हो सकते हैं न स्वच्छता अभियान व गंगा सफाई अभियान का नारा अमल में लाया जा सकता है। न अर्थव्यवस्था सुधर सकती है न देश की कानून व्यवस्था में सुधार हो सकता है। प्रबंधित लोकप्रियता रेत पर बने उस किले की तरह है जो कभी भी लोकतंत्र की आंधी में ढह सकता है।

अर्थव्यवस्था में भारी गिरावट मंदी का संकेत

ऐसे समय में जब पिछले कुछ दिनों में पूरी दुनिया के मुकाबले सबसे ज्यादा कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा देश में सामने आ रहा है, विकास दर का ऋणात्मक हो जाना गंभीर आर्थिक संकट का पर्याय है। वित्तीय वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही के आंकड़ों में देश की विकास दर -23.9 गिर जाना स्तब्धकारी है। वर्ष 2019-20 में इस तिमाही में विकास दर 5.2 फीसदी रही थी। देश में मौजूदा पीढ़ी के लोगों ने शायद ही कभी इतनी बड़ी गिरावट देखी हो। मगर, विडंबना यह है कि इस बीच कोरोना संक्रमण की दूसरी वेव हमारे अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के प्रयासों को बड़ी चोट दे रही है।

कहा जा रहा था कि जुलाई में अर्थव्यवस्था पटरी पर लौट रही है, लेकिन कोरोना के कहर के बीच फिलहाल तुरंत समाधान की कोई गुंजाइश नजर भी नहीं आती। निस्संदेह यह स्थिति मोदी सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती है। कहा जा रहा है कि कोरोना संकट के चलते अचानक घोषित सख्त लॉकडाउन ने अर्थव्यवस्था को बुरी तरह झकझोरा है। भारत जैसे देश में जहां जीडीपी में सर्विस सेक्टर का योगदान साठ फीसदी है, वहां करोड़ों लोगों ने रोजगार खोये हैं। अकेले टूरिज्म इंडस्ट्री में तीन से चार करोड़ नौकरियां गई हैं। जानकारों का मानना है कि सामाजिक जीवन को नियंत्रित करने के लिए तो लॉकडाउन की जरूरत थी लेकिन देश की आर्थिक गतिविधियों को पूरी तरह से बंद नहीं किया जाना चाहिए था। जीडीपी का ऋणात्मक हो जाने का आंकड़ा ऐसे समय पर आया है जब देश में अनलॉक चार की प्रक्रिया शुरू हो रही है और कुछ क्षेत्रों को फिर से खोला जा रहा है। हालांकि, लॉकडाउन के परिणामों से केंद्र सरकार पहले से ही वाकिफ थी।

यही वजह है कि राज्यों से लॉकडाउन लगाने का अधिकार वापस ले लिया गया था और केवल कंटेनमेंट जोन में ही लॉकडाउन लगाने की इजाजत दी गई ताकि आर्थिक गतिविधियों में और व्यवधान न आने पाये। अधिकांश रेटिंग एजेंसियां व आर्थिक विशेषज्ञ देश की जीडीपी में गिरावट का अनुमान लगा रहे थे, लेकिन इतनी बड़ी गिरावट का अंदेशा नहीं था। निस्संदेह जीडीपी के आंकड़े मोदी सरकार के लिए बड़ा झटका है और विपक्ष को धारदार हमले का मौका देते हैं। जीडीपी के आंकड़े आने से पहले ही कांग्रेस की तरफ से वीडियो जारी करके मोदी सरकार पर बड़ा हमला बोला गया था। उधर, जीडीपी आंकड़े आने से पहले सोमवार को शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई। शायद बाजार को अनुमान था कि अर्थव्यवस्था में बड़ी गिरावट दर्ज होने वाली है। दरअसल, जीएसटी के कलेक्शन में आई भारी गिरावट पहले ही संकेत दे रही थी कि जीडीपी के आंकड़ों में बड़ी गिरावट आ सकती है, लेकिन इतनी बड़ी गिरावट का आकलन नहीं था। कभी देश में दो अंकों में विकास दर पहुंचने की बात कही जाती थी, अब यह ऋणात्मक रूप से दो अंकों तक जा पहुंची है, जिसके भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए दूरगामी नकारात्मक परिणाम होंगे, जिससे उबरने में देश को लंबा वक्त लग सकता है।

वह भी ऐसे दौर में जब कोरोना संकट और गहरा होता जा रहा है। हालांकि, सरकार को भी इस बात का अहसास था कि देश की जीडीपी में बड़ी गिरावट दर्ज हो सकती है। उसने कुछ कदम इस दिशा में उठाये भी, मगर स्थितियां इतनी विकट हो चुकी थीं कि धरातल पर उनका प्रभाव नजर नहीं आया। निस्संदेह इस बड़े संकट से उबरने के लिये केंद्र सरकार को युद्ध स्तर पर प्रयास करने की जरूरत है। यह अच्छी बात है कि इस दौरान कृषि क्षेत्र ने बेहतर प्रदर्शन किया है, जिससे यह विश्वास बना है कि देश को खाद्यान्न संकट से नहीं जूझना पड़ेगा। बहरहाल, जीडीपी के पहले तिमाही के निराशाजनक आंकड़े आर्थिक मंदी का भी संकेत है, जिससे आम आदमी के जीवन पर खासा प्रतिकूल असर पड़ सकता है। उम्मीद की जानी चाहिए कि तीसरी तिमाही तक जीडीपी में धनात्मक वृद्धि देखने को मिलेगी।

कहर और उम्मीद

ऐसे वक्त में जब रोज अस्सी हजार से ज्यादा कोरोना संक्रमितों के आंकड़ा सामने आ रहा है और कुल आंकड़ा 39 लाख से अधिक जा पहुंचा है, देश पहले जैसा भयभीत नहीं है। दरअसल, विषम परिस्थितियों के बीच जनमानस ने मान लिया है कि हमें कोरोना से संघर्ष के साथ जीना है। लेकिन यह भी सत्य है कि अब तक देश में इस महामारी से मरने वालों का आंकड़ा 68 हजार से ऊपर पहुंच गया है। संभव है इसी रफ्तार से संक्रमण जारी रहा तो कुछ ही दिनों में हम ब्राजील को पीछे छोड़कर संक्रमण के लिहाज से दुनिया में दूसरे स्थान पर आ जायेंगे। लेकिन इसके बावजूद अच्छी बात यह है कि मृत्यु दर के मामले में हम बेहतर स्थिति में हैं। शायद एक वजह यह है कि दक्षिण एशिया के परिवेश में एक ट्रेंड है और भारत की बड़ी आबादी युवा है। विडंबना यह कि देश के आर्थिक हालात को देखते हुए हमें जान के साथ जहान की फिक्र भी करनी है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में जीडीपी के बेहद निराश करने वाले आंकड़ों ने हमें यह सोचने को मजबूर किया है कि हम अपनी आर्थिकी कोरोना के भय के भरोसे नहीं छोड़ सकते। लेकिन इसका मतलब यह कदापि नहीं है कि हम संक्रमण के बचाव के कायदे-कानूनों का पालन न करें। दुनिया के तमाम विकसित देश भी यह दावा नहीं कर पा रहे हैं कि वे कोरोना संक्रमण के शिकंजे से मुक्त हो गये हैं। न्यूजीलैंड व चीन के मामले हमारे सामने हैं कि कोरोना लौट-लौटकर आया है। यह अच्छी बात है कि यूरोप, रूस व चीन में बच्चों के स्कूल खुले हैं, लेकिन तमाम सुरक्षा उपायों का ख्याल किया गया है। हालांकि, भारत में ऐसी स्थिति अभी नहीं आई है। इसके बावजूद हमें महामारी को गंभीरता से लेना होगा जब तक कि अंतिम चरण में पहुंच चुकी वैक्सीन तलाश की प्रक्रिया अंजाम तक न पहुंचे। यूं तो इस समय संक्रमण की तेज गति तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र में है और यहां देश के 62 फीसदी सक्रिय मामले हैं। निस्संदेह यहां ज्यादा सतर्कता की जरूरत है। वहीं चिंता बिहार, पश्चिम बंगाल व असम जैसे राज्यों में राजनीतिक सक्रियता को लेकर भी है। बिहार में जल्दी ही चुनाव की बात की जा रही है। राजनीतिक गहमागहमी के बीच जरूरी है कि कोरोना संक्रमण के प्रति अतिरिक्त सावधानी बरती जाये। वहीं दूसरी ओर हरियाणा व पंजाब में भी संक्रमण की तेजी चिंता का विषय है। जैसा कि स्वाभाविक था कि राष्ट्रीय राजधानी से जुड़े गुरुग्राम, फरीदाबाद व सोनीपत में संक्रमण के सबसे ज्यादा मामले हैं, मगर धीरे-धीरे राज्य के दूसरे जिले भी तेजी से संक्रमण के दायरे में आते जा रहे हैं। राज्य में संक्रमण का आंकड़ा 71 हजार पार कर जाना राज्य के नीति-नियंताओं के लिये अतिरिक्त प्रयासों का विषय होना चाहिए। मुरथल के दो ढाबों में 75 से अधिक कर्मचारियों का कोरोना पॉजिटिव होना हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। अनुमान है कि करीब दस हजार से अधिक लोग इनके संपर्क में आये होंगे, जिनकी कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग भी एक बड़ी चुनौती साबित होगी क्योंकि इन ढाबों में दिल्ली-चंडीगढ़ व पंजाब जाने वाले यात्री ज्यादा रुकते हैं। बहरहाल, एक हकीकत यह भी है कि देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या में तेजी आने की वजह तेजी से हो रही टेस्टिंग भी है। यह अच्छी बात है कि जांच का यह आंकड़ा रोज ग्यारह लाख को पार कर रहा है। तेज जांच के चलते उसी अनुपात में पॉजिटिवों की संख्या बढ़ रही है। हालांकि, यदि समय रहते यह जांच हो पाती तो संभव है संक्रमण की दर को कम किया जा सकता। मगर विकासशील देश होने के नाते हमारे संसाधनों की अपनी सीमाएं हैं। फिर भी हम इस चुनौती का मुकाबला तेजी से कर पा रहे हैं, बावजूद इसके कि हमारे चिकित्सा संसाधन सीमित हैं। बहरहाल, एक नागरिक के नाते हमारा दायित्व बनता है कि हम अतिरिक्त सावधानी बरतें। आर्थिक गतिविधियां अपनी जगह हैं और हमारी सावधानी अपनी जगह, तभी हम कोरोना को हरा पाएंगे।

सार समाचार .....

आईपीएल में खाली स्टेडियम एक चुनौती

नई दिल्ली **एजेंसी।** कोरोना के बीच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कोच साइमन कैटिच का बड़ा बयान आया है। उन्होंने कहा कि बगैर दर्शकों के मैच में युवा खिलाड़ी कम दबाव महसूस करेंगे, जबकि सीनियर्स के लिए यह एक चुनौती रहेगी। आरसीबी के कप्तान विराट कोहली है। इस बार आईपीएल 19 सितंबर से 10 नवंबर तक यूएई में होना है। कोरोना के कारण टूर्नामेंट बायो-सिक्योर माहौल में बगैर दर्शकों के होगा।

मैच में युवा खिलाड़ी काफी एंजॉय करेंगे

आरसीबी के यूट्यूब शो बोल्ड डायरीज पर कैटिच ने कहा, ''मेरा मानना है कि मैच में युवा खिलाड़ी काफी एंजॉय करेंगे। मैदान में दर्शकों नहीं होने से शोर कम होगा और ध्यान भी भंग नहीं होगा। इस कारण युवा खिलाड़ी कम दबाव महसूस करेंगे।''

सीनियर दर्शकों के जोश के आदी

कैटिच ने कहा, ''वहीं, मुझे लगता है कि सीनियर प्लेयर जो दर्शकों के जोश बीच खेले और उनके आदी हो गए हैं। इससे खिलाड़ियों का उत्साह भी बढ़ता है। ऐसे में उनके लिए यह चुनौती रहेगी। फिर भी मैं मानता हूं कि हमारी टीम बेहतर प्रदर्शन करेगी और उसमें यह जज्बा भी है।''

कोहली जैसे खिलाड़ियों को दिक्कत होगी

इससे पहले मेंटल कंडीशन कोच पेडी उपटन भी कह चुके हैं कि खाली स्टेडियम में मैच खेलने पर विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों को काफी परेशानी होने वाली है। क्योंकि ऐसे खिलाड़ी दर्शकों के जोश और उत्साह के आदी होते हैं। हालांकि, जो खिलाड़ी खुद से प्रेरणा लेंगे, वे जरूर सफल होंगे।

फराह 11 महीने बाद दौड़े, एक घंटे में सबसे ज्यादा 21 हजार 330 मीटर की दूरी तय कर 13 साल का रिकॉर्ड तोड़ा

बेंगलुरू एजेंसी।

चार बार के ओलिंपिक चैंम्पियन ब्रिटेन के मोहम्मद फराह ने एक घंटे की रेस में सबसे ज्यादा दूरी तय करने का वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने डायमंड लीग में यह कारनामा किया। 2007 में हेले गेब्रेलसेसी ने एक घंटे में 21 हजार 285 मीटर की दूरी तय की थी। फराह ने 21 हजार 330 मीटर के साथ रिकॉर्ड अपने नाम किया। रियो ओलिंपिक के बाद फराह ने रोड रनिंग शुरू कर दी थी, लेकिन टोक्यो ओलिंपिक में 10 हजार मीटर रेस में हिस्सा लेने के लिए ट्रैक पर वापस लौटे हैं। वे अक्टूबर के बाद पहली बार किसी इवेंट में हिस्सा ले रहे थे।

बेल्जियम के अबदी बशीर दूसरे स्थान पर रहे

21 हजार 322 मीटर के साथ बेल्जियम के अबदी बशीर दूसरे स्थान पर रहे। बशीर ने कुछ समय के लिए बढ़त बनाई लेकिन अंत में फराह विजेता रहे। महिलाओं के इवेंट में भी नीदरलैंड की सेफैन हसन ने एक घंटे में सबसे ज्यादा दूरी तय करने का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने 18 हजार 930 मीटर के साथ डायर ट्यून के 2008 में बनाए गए 18 हजार 517 मीटर का रिकॉर्ड तोड़ा। पुरुषों की 1500 मीटर रेस में नॉर्वे के जकोब इंगेब्रिएत्सेन विजेता रहे। स्वीडन के आर्मांड डुप्लांटिस पोल वॉल्ट इवेंट में विजेता रहे। उन्होंने 6 मी की ऊंचाई हासिल कर इवेंट रिकॉर्ड बनाया।

पेरेज ने महिला हाफ मैराथन में बनाया रिकॉर्ड

केन्या की पेरेज जेपचिरचिर ने परागवे में महिलाओं की हाफ मैराथन रेस में शनिवार को विश्व रिकॉर्ड बनाया। 26 साल की पेरेज ने एक घंटे 5 मिनट और 34 सेकंड के समय के साथ विश्व रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने इथियोपिया की नेटसानेट गुडेटा के रिकॉर्ड को तोड़ा, जोकि उन्होंने 2018 में विश्व हाफ मैराथन चैंपियनशिप में एक घंटे छह मिनट और 11 सेकंड का समय लेकर बनाया था।

टीम इंडिया का ऑस्ट्रेलिया दौरा

भोपाल एजेंसी। टीम इंडिया के इस साल के आखिर में होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए मौजूदा सिलेक्टर ही अक्टूबर के दूसरे या तीसरे हफ्ते में टीम चुनेंगे। सीनियर सिलेक्शन कमेटी में शामिल तीन सिलेक्टर्स का चार साल का कार्यकाल 30 सितंबर को पूरा हो रहा है। इसमें देवांग गांधी, जतिन परांजपे और सरनदीप सिंह शामिल हैं। लेकिन मौजूदा स्थिति में नए सिलेक्टर चुनने की बजाय बीसीसीआई इन्हें एक्सटेंशन दे सकती है।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक, मदन लाल की अगुआई वाली तीन मेंबर्स की क्रिकेट एडवाइजरी कमेटी को बोर्ड ने अब तक तीन सिलेक्टर्स के पदों को भरने के लिए इंटरव्यू के लिए नहीं कहा है। बोर्ड से जुड़े सूत्र ने बताया कि यह बात सही है कि सीएसी को बोर्ड ने अभी तक नए सिलेक्टर चुनने के नहीं कहा है। **बीसीसीआई का आईपीएल पर फोकस** फिलहाल, बीसीसीआई का पूरा फोकस आईपीएल पर है। ऐसे में बोर्ड भी यही चाहता है कि इस समय मौजूदा सिलेक्शन कमेटी को ही ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम चुनने की जिम्मेदारी दी जाए। **चीफ सिलेक्टर प्रसाद को भी 6 महीने का एक्सटेंशन मिला था**

बोर्ड से जुड़े सूत्र ने आगे बताया कि चीफ सिलेक्टर एमएसके प्रसाद और गगन खोड़ा का कार्यकाल भी सितंबर 2019 में ही खत्म हो गया था। लेकिन बोर्ड ने उन्हें भी इस साल मार्च तक बनाए रखा। ऐसे में अगर देवांग, जतिन और सरनदीप सिंह को एक्सटेंशन दिया जाता है, तो इसमें कोई गलती नहीं।

बोपन्ना मेन्स डबल्स के क्वार्टरफाइनल में

हरभजन ने आईपीएल के 160 मैचों में 150 विकेट लिए, 829 रन भी बनाए सीएसके के 2 खिलाड़ी के अलावा 11 स्टाफ मेंबर कोरोना पॉजिटिव पाए जा चुके हैं

न्यूयॉर्क | एजेंसी।

कोरोनावायरस के बीच न्यूयॉर्क में खेले जा रहे टेनिस ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन से रविवार को भारत के लिए एक अच्छी खबर आई है। स्टार इंडियन प्लेयर रोहन बोपन्ना और उनके कनाडाई पार्टनर डेनिस शापोवालोव मेन्स डबल्स के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गए हैं। उन्होंने जर्मन जोड़ीदार केविन क्रावित्ज और एंड्रीस मीस को 4-6, 6-4, 6-3 से हराया। 5 साल से कोई भारतीय खिलाड़ी खिताब नहीं जीत सका है, लेकिन इस बार रोहन से उम्मीद है। इसी बीच मैच से ठीक पहले फ्रांस की क्रिस्टीना म्लादेनोविच और उनकी पार्टनर हंगरी की टिमिया बाबोस को क्वारैंटाइन होने के लिए स्थानीय स्वास्थ्य विभाग का नोटिस मिला है। इसके मुताबिक, यह दोनों महिला खिलाड़ी फ्रांस के कोरोना संक्रमित खिलाड़ी बेनुआ पेर से मिली थीं। बेनुआ टूर्नामेंट से हट चुके हैं।

रोहन का अगला मैच जीन और होरिया की जोड़ी से

रोहन और डेनिस का अगला मुकाबला नीदरलैंड के जीन-जूलियन रोजर और उनके रोमानिया के पार्टनर होरिया टेकू से होगा। इससे पहले भारतीय स्टार ने पहले राउंड में अमेरिकी जोड़ीदार नोह रुबीन और एर्नेस्तो एस्कोबेडो को 6-2, 6-4 से हराया था। यूएस ओपन बायो-सिक्योर माहौल में 31 अगस्त से 13 सितंबर तक चलेगा।

5 साल से कोई भारतीय खिताब नहीं जीत सका

यूएस ओपन में 5 साल से कोई इंडियन चैम्पियन नहीं बन सका है। भारत के लिए पिछली बार 2015 में लिएंडर पेस ने मिक्स्ड डबल्स में खिताब जीता था। भारत के लिए पहली बार महेश भूपति ने 1999 में मिक्स्ड डबल्स में जापान की आई सुगियामा के साथ यूएस ओपन खिताब जीता था। इसके बाद लिएंडर पेस 2006 में मेन्स डबल्स स्पर्धा में चेक गणराज्य के मार्टिन डैम के साथ खेलते हुए चैम्पियन बने थे। भारत के लिए तीसरी चैम्पियन सानिया मिर्जा थीं। उन्होंने 2014 में मिक्स्ड डबल्स स्पर्धा में ब्राजील के ब्रूनो सोआरेस के साथ फाइनल जीता था। 140 साल के इतिहास में अब तक तीन भारतीय खिलाड़ियों महेश भूपति (3), लिएंडर पेस (5) और सानिया मिर्जा (2) ने कुल 10 खिताब जीते।

वर्ल्ड नंबर-3 थिएम प्री-क्वार्टरफाइनल में पहुंचे

मेन्स सिंगल्स में वर्ल्ड नंबर-3 ऑस्ट्रिया के डोमिनिक थिएम ने प्री-क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने अपने तीसरे दौर के मुकाबले में क्रोएशिया के मारिन सिलिस को कड़े संघर्ष के बाद 6-2, 6-2, 3-6, 6-3 से हराया। इससे पहले थिएम ने सेकंड राउंड म भारत क सुमत नागल का 6-3, 6-3, 6-2 से शिकस्त दी थी। थिएम का अगला मैच कनाडा के फेलिक्स ओगेर अलाइसिमे से होगा।

सेरेना विलियम्स भी चौथे राउंड में पहुंची

6 बार की यूएस ओपन चैम्पियन सेरेना विलियम्स यूएस ओपन के प्री-क्वार्टरफाइनल में पहुंच गई। उन्होंने टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 104वीं जीत दर्ज की। उन्होंने तीसरे दौर में हमवतन स्लोआन स्टीफंस को 2-6, 6-2, 6-2 से हराया। सेरेना मेंस और वुमेंस दोनों कैटेगरी में सबसे ज्यादा मैच जीतने वाली खिलाड़ी हैं। उन्होंने पहला राउंड जीतते ही अमेरिका की क्रिस एवर्ट का रिकॉर्ड तोड़ा था।

महिलाओं में वर्ल्ड नंबर-4 सोफिया की आसान जीत

अमेरिका की वुमन्स वर्ल्ड नंबर-4 सोफिया ने आसान जीत के साथ प्री-क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने ट्यूनिसिया की ओंस जेबुअर को 7-6, 6-3 से शिकस्त दी। सोफिया ने इसी साल ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीता था। यह उनका पहला ग्रैंड स्लैम खिताब था।

पांच बार के एशेज विजेता इंग्लिश प्लेयर का प्रोफेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट

लाहौर , एजेंसी। इंग्लैंड के दिग्गज क्रिकेटर इयान बेल ने प्रोफेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। वे इंग्लैंड को 5 बार एशेज चैम्पियन बना चुके हैं। बेल ने अपना पिछला मैच नवंबर 2015 में टेस्ट खेला था। तब से घरेलू क्रिकेट ही खेल रहे थे। उनके नाम 118 टेस्ट में 22 शतक दर्ज हैं। बेल ने टेस्ट पर फोकस करने के लिए 2015 में वनडे से संन्यास ले लिया था। हालांकि, इसका उन्हें ज्यादा फायदा भी नहीं हुआ। 16 साल के क्रिकेट करियर में बेल ने 118 टेस्ट में 7727 और 161 वनडे में 5416 रन बनाए हैं। बेल के नाम 8 टी-20 में 188 रन दर्ज हैं। बेल ने कहा, ''यह दुख की बात तो है, लेकिन उतनी ही गर्व की भी बात है कि मैं अपने प्रोफेशनल क्रिकेट से संन्यास ले रहा हूं। यह सच है कि कुछ लोगों ने कहा कि आप सही समय (संन्यास के लिए) जानते हैं। दुर्भाग्य से, मेरा समय अब आ गया।''

रोनाल्डो को 10 महीने से 100वें इंटरनेशनल गोल का इंतजार

नई दिल्ली , एजेंसी। पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो 10 महीने से अपने 100वें इंटरनेशनल गोल का इंतजार कर रहे हैं। वे टीम के लिए 164 मैच में 99 गोल करने वाले पहले खिलाड़ी हैं। पैर के अंगूठे में चोट के कारण रोनाल्डो नेशंस कप में शनिवार को क्रोएशिया के खिलाफ नहीं खेल सके। ऐसे में उनका इंतजार ओर बढ़ गया है। रोनाल्डो ने पिछले साल 17 नवंबर को यूरो कप के क्वालिफाइंग मैच में लक्समबर्ग के खिलाफ खेला था। जिसमें टीम को 2-0 से जीत मिली थी। रोनाल्डो सबसे ज्यादा इंटरनेशनल गोल के मामले में ईरान के पूर्व फुटबॉलर अली देई से ही पीछे हैं। अली ने 149 मैच में 109 गोल दागे थे।

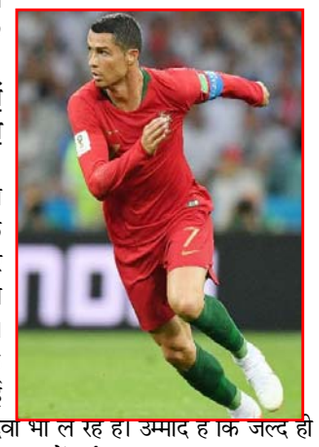

पैर के अंगूठे में दर्द होने के कारण नहीं खेल पाए

कोच फर्नांडो सांतोस ने बताया कि रोनाल्डो ने सोमवार और मंगलवार को टीम के साथ ट्रेनिंग की थी। बुधवार को उनके अंगूठे में सूजन आ गई थी। इसके कारण वे दवा भी ले रहे हैं। उम्मीद है कि जल्द ही वापसी कर लेंगे। नेशंस कप में पुर्तगाल का दूसरा मुकाबला 9 सितंबर को स्वीडन से होने वाला है। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि रोनाल्डो मैच तक फिट हो जाएंगे।

यूरोप में नवंबर के बाद कोई इंटरनेशनल मैच नहीं हुए

यूरोप में कोरोना के कारण पिछले नंवबर के बाद कोई भी इंटरनेशनल मैच नहीं हुए हैं। हालांकि ला लिगा, चैम्पियंस लीग और यूरोपा लीग खेले गए हैं। वहीं, 2020 यूरोपा फुटबॉल लीग को भी अगले साल के लिए रद्द कर दिया गया है।

रोनाल्डो ने 2004 में डेब्यू किया था

रोनाल्डो ने अपना पहला इंटरनेशनल मैच ग्रीस के खिलाफ 12 जून 2004 को खेला था। इसमें अपना पहला इंटरनेशनल गोल किया था। जबकि अली देई ने अपने देश के लिए पहला इंटरनेशनल मैच 25 जून 1993 को ताइपे के खिलाफ खेला था। अली ने पहले ही मैच में 3 गोल किए थे। उन्होंने टीम को 6-0 से जीत दिलाई थी। जबकि उन्होंने अपना अंतिम इंटरनेशनल मैच 1 मार्च 2006 को कोस्टा रिका के खिलाफ खेला था।

भारत के सुनील छेत्री 10वें नंबर पर

सबसे ज्यादा इंटरनेशन गोल के मामले में भारत के सुनील छेत्री 10वें नंबर पर हैं। उन्होंने टीम इंडिया के लिए 115 मैच में 72 गोल दागे हैं। इस मामले में वे अर्जेंटीना के लियोनल मेसी से काफी आगे हैं। मेसी इस लिस्ट में 70 गोल के साथ 17वें नंबर पर हैं। इसके लिए उन्होंने 138 मैच खेले हैं।

आईपीएल के दौरान कोरोना को लेकर स्पष्टता हो; रैना

नई दिल्ली | एजेंसी।

चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के लिए पिछले कुछ दिन ठीक नहीं रहे। पहले दो खिलाड़ियों समेत 13 लोग पॉजिटिव आने से टीम के ओपनिंग मैच खेलने पर संशय बना। दीपक चाहर और रितुराज गायकवाड़ के पॉजिटिव होने के अलावा टीम को दो झटके और लगे। रैना और हरभजन निजी कारणों से लीग से हट गए। चेन्नई के अलावा मुंबई इंडियंस को भी झटका लगा है। लसिथ मलिंगा भी हट गए, लेकिन हरभजन और रैना ने सबका ध्यान खींचा। क्योंकि इन्होंने अंतिम समय में नाम वापस लिया। फेडरेशन को गलतफहमी दूर करना चाहिए हालांकि खिलाड़ी अपने निर्णय के लिए फ्री हैं, लेकिन इस मामले में फेडरेशन सहित सभी को आगे आकर गलतफहमी दूर करना चाहिए। रैना, हरभजन और मलिंगा का मामला मेसी के बर्सिलोना छोड़ने से अलग है। लेकिन इसे भी निजी कारण माना जा सकता है। लेकिन कॉन्ट्रैक्ट नियम के कारण वे नहीं जा सके। नडाल ने काफी समय पहले यूएस ओपन में नहीं उतरने का फैसला कर लिया था।

तीनों खिलाड़ियों का कारण जानना जरूरी

तीनों खिलाड़ियों के लीग से हटने के कारण को जानना जरूरी है। मलिंगा के बारे में जानकारी नहीं है। रैना के परिवार पर हमला हुआ तो वे यूएई क्यों गए। हरभजन की मां बीमार हैं तो हटने के निर्णय पर इतना समय क्यों लिया। टूर्नामेंट नहीं खेलने के ये बड़े कारण हैं तो फिर इन्हें सार्वजनिक क्यों नहीं किया जा सकता। रैना के मामले में श्रीनिवासन और खुद खिलाड़ी के बयान ने मामले को पेचीदा बनाया। टूर्नामेंट कितना सुरक्षित, यह सामने आना चाहिए।

ऑस्ट्रेलियन प्लेयर ने बॉल चमकाने के लिए सैनिटाइजर लगाया

नई दिल्ली , एजेंसी।

ऑस्ट्रेलियाई मूल के तेज गेंदबाज मिच क्लेडन (37) ने इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में बॉल को चमकाने के लिए सैनिटाइजर का इस्तेमाल किया। यह बात पिछले महीने हुए मैच की थी। इस मामले में जांच के बाद इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने उन्हें दोषी पाया। इसी के साथ ससेक्स क्रिकेट क्लब ने अपने खिलाड़ी क्लेडन को सस्पेंड कर दिया। ससेक्स टीम के बॉलर मिच क्लेडन पर आरोप था कि उन्होंने पिछले महीने मिडिलसेक्स के खिलाफ मैच में बॉल पर हैंड सैनिटाइजर का इस्तेमाल किया था। इस मैच में क्लेडन ने तीन विकेट भी लिए थे।

क्लेडन अगले मैच से भी बाहर

ससेक्स ने अपनी वेबसाइट पर कहा, ''मिच क्लेडन को हमारे मैच में मिडिलसेक्स के खिलाफ बॉल पर हैंड सैनिटाइजर लगाने के ईसीबी आरोप के बाद सस्पेंड कर दिया गया है। अब इस मामले में आगे कोई टिप्पणी नहीं की जाएगी।'' क्लेडन अब सरे के खिलाफ अगला बॉब विलिज ट्रॉफी मैच भी नहीं खेल सकेंगे।

बॉल चमकाने के लिए थूक के इस्तेमाल पर प्रतिबंद लगा चुका

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) कोरोना प्रोटोबॉल के तहत बॉल को चमकाने के लिए लार के इस्तेमाल पर पहले ही प्रतिबंध लगा चुका है। हालांकि खिलाड़ी पसीने का इस्तेमाल कर सकते हैं। वहीं, आईसीसी ने थूक की जगह अब तक किसी भी आर्टिफिशियल पदार्थ के इस्तेमाल की मंजूरी नहीं दी गई है। ऑस्ट्रेलियाई प्लेयर पसीने का इस्तेमाल भी नहीं कर सकेंगे

इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रही सीमित ओवरों की सीरीज के दौरान ऑस्ट्रेलियाई प्लेयर बॉल चमकाने के लिए चेहरे के पसीने का इस्तेमाल भी नहीं कर सकेंगे। उनके बोर्ड ने इस पर भी प्रतिबंध लगा दिया है।

आर्चर पर बायो-सिक्योर नियम तोड़ने पर प्रतिबंध और जुर्माना लग चुका

जुलाई के शुरुआत में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में बायो-सिक्योर नियम तोड़ा था। इसके कारण उन पर जुर्माना लगाया था और एक मैच से बाहर भी कर दिया गया था। आर्चर नियम तोड़कर सीरीज के बीच में ही अपने घर चले गए थे।

इंग्लैंड लगातार 6 सीरीज से नहीं हारा

दिल्ली | एजेंसी।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच रविवार को साउथैंप्टन में तीन टी-20 की सीरीज का दूसरा मुकाबला होगा। इंग्लैंड ने शुक्रवार को पहला मैच 2 रन से जीता था। यह ऑस्ट्रेलिया पर उसकी लगातार दूसरी जीत थी। इंग्लैंड ने 2 साल के भीतर 6 टी-20 सीरीज खेली है। इसमें से इंग्लिश टीम एक भी नहीं हारी है। सिर्फ पाकिस्तान के खिलाफ पिछले महीने हुई सीरीज 1-1 से ड्रॉ रही, बाकी पांच इंग्लैंड ने जीती। इस दौरान उसने श्रीलंका, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका को हराया।इंग्लैंड दूसरा टी-20 जीतते ही, न सिर्फ सीरीज जीत जाएगा बल्कि टी-20 रैंकिंग में भी नंबर-1 हो जाएगा।

फिलहाल, ऑस्ट्रेलिया 275 रेटिंग पॉइंट के साथ नंबर-1 है। 2011 में जब से टी-20 रैंकिंग शुरू हुई है, ऑस्ट्रेलिया पहली बार इस साल मार्च में नंबर-1 बना। उसने 27 महीने से इस पोजीशन पर काबिज पाकिस्तान को पीछे छोड़ा था।

इंग्लैंड मैच जीतकर टी-20 में नंबर-1 वन टीम बन जाएगी

दूसरे स्थान पर 271 रेटिंग पॉइंट के साथ इंग्लैंड है। अगर मेजबान टीम दूसरा टी-20 जीतती है, तो उसके 273 अंक हो जाएंगे और अपने से निचली रैंकिंग वाली टीम से हारने के कारण ऑस्ट्रेलिया को दो अंक का नुकसान होगा और उसके भी 273 पॉइंट हो जाएंगे। लेकिन नेट रन रेट के आधार पर इंग्लैंड पहले स्थान पर काबिज हो जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया ने पिछले मैच में 9 रन के भीतर 4 विकेट गंवाए थे

पिछले मैच में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 162 रन बनाए थे। जीत के लिए मिले 163 रन के टारगेट का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम 6 विकेट पर 160 रन ही बना सकी और 2 रन से मैच हार गई। एक वक्त ऑस्ट्रेलिया के एक विकेट पर 124 रन थे। उसे आखिरी 6 ओवर में 39 रन बनाने थे और उसके 9 विकेट बाकी थे। लेकिन 9 रन के भीतर ही उसने 4 विकेट गंवा दिए और इसके बाद टीम मैच में वापसी नहीं कर पाई।

टीम के लिए मिडिल ऑर्डर कमजोर कड़ी साबित हुआ। पहले मैच में ग्लेन मैक्सवेल ने 1, एलेक्स कैरी 1 और एश्टन एगर भी 4 रन ही बना सके। ऐसे में अगर ऑस्ट्रेलिया को सीरीज में वापसी करनी है, तो इस परेशानी को दूर करना होगा।

वॉर्नर और फिंच फॉर्म में

ऑस्ट्रेलिया के अच्छी बात यह है कि कप्तान एरॉन फिंच और डेविड वॉर्नर फॉर्म में हैं। वॉर्नर ने पिछले मैच में अर्धशतक लगाया था। यह उनकी टी-20 में 19वीं फिफ्टी थी। पिछले डेढ़ साल में वॉर्नर ने 9 पारियों में 142 के स्ट्राइक रेट से 415 रन बनाए हैं। वॉर्नर के अलावा स्टीव स्मिथ भी टीम के लिए रन मशीन साबित हुए हैं। उन्होंने इस दौरान 6 पारी में 147 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से 250 रन बनाए। हालांकि, पिछले मैच में वे 18 रन बनाकर आउट हो गए थे। उधर, फिंच ने भी पिछले मैच में टी-20 में 2 हजार रन पूरे किए।

हेड टू हेड

दोनों देशों के बीच अब तक 17 टी-20 हुए हैं। इसमें ऑस्ट्रेलिया ने 9 और इंग्लैंड ने 6 जीते हैं। एक मैच बेनतीजा रहा। इंग्लैंड में भी ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। ऑस्ट्रेलिया ने यहां 7 टी-20 खेले हैं। इसमें उसे सिर्फ एक में जीत मिली है, जबकि 5 मैच हारा है। एक मुकाबला बेनतीजा रहा। इंग्लैंड-ऑस्ट्रेलिया के बीच अब तक 8 टी-20 सीरीज हुई है। इसमें से तीन इंग्लैंड और दो ऑस्ट्रेलिया जीता है, जबकि तीन सीरीज ड्रॉ रही।

ऑस्ट्रेलिया ने पिछले 12 में से 9 टी-20 जीते

ऑस्ट्रेलिया इस साल पहली बार टी-20 रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचा है। उसने पिछले 12 में से 9 टी-20 जीते हैं। पिछले साल उसने श्रीलंका और पाकिस्तान को अपने घर में हराया था, जबकि इस साल फरवरी में दक्षिण अफ्रीका को उसी के घर में शिकस्त दी थी। उधर, इंग्लैंड ने मार्च 2019 से अब तक 16 टी-20 खेले हैं। इसमें उसे 10 में जीत, जबकि 4 में हार मिली। एक मुकाबला टाई, तो एक बेनतीजा रहा।

पिच और मौसम रिपोर्ट- साउथैंप्टन में मैच के दौरान बादल छाए रहेंगे और बारिश हो सकती है।

यूएई में कोरोना के बीच 53 दिन चलेगा टूर्नामेंट

नई दिल्ली | एजेंसी।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सीजन-13 का शेड्यूल रविवार को जारी किया जाएगा। यह जानकारी आईपीएल चेयरमैन बृजेश पटेल ने दी। कोरोना की वजह से इस बार टूर्नामेंट यूएई में होगा। 19 सितंबर से 10 नवंबर तक कुल 60 मैच खेले जाएंगे।

आईपीएल बायो-सिक्योर माहौल में होगा। 53 दिन में सभी 8 टीमें 14-14 मैच खेलेंगी। एक एलिमिनेटर, दो क्वालिफायर और फाइनल समेत आईपीएल में कुल 60 मैच होंगे।

मुंबई-चेन्नई के बीच हो सकता है पहला मैच

माना जा रहा है कि पहला मैच पिछली बार की चैम्पियन मुंबई इंडियंस और रनर-अप चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के बीच 19 सितम्बर को खेला जा सकता है। हालांकि, सीएसके के दो खिलाड़ी दीपक चाहर और रितुराज गायकवाड़ के अलावा 11 स्टाफ मेंबर्स संक्रमित हो चुके हैं। वहीं, यूएई में मौजूद बीसीसीआई के सीनियर मेडिकल ऑफिसर भी पॉजिटिव पाए गए हैं।

तीन स्टेडियम में होंगे सभी मैच

बुधवार को बीसीसीआई के ट्रैजरर अरुण धूमल ने कहा था- मैच शेड्यूल के मुताबिक ही होंगे। ये सभी मैच यूएई के तीन शहरों दुबई, अबूधाबी और शारजाह में खेले जाएंगे। पहली बार लीग का फाइनल वीकेंड की जगह वीक-डे (मंगलवार) पर होगा। शाम के मैच पुराने शेड्यूल से आधा घंटा पहले यानी 7.30 बजे से शुरू होंगे। दोपहर के मैच 3.30 बजे से खेले जाएंगे।

खिलाड़ियों को ब्लूटूथ बैज पहनना होगा

बोर्ड ने आईपीएल में कोरोना संक्रमण पर नजर रखने के लिए खिलाड़ियों, ऑफिशियल्स को कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग के लिए ब्लूटूथ बैज दिए हैं। खिलाड़ियों के साथ यूएई आए फैमिली मेंबर्स को भी यह बैज पहनना जरूरी है। एक हेल्थ ऐप भी तैयार किया गया है, जिसमें सभी को रोज बॉडी टेम्प्रेचर की जानकारी देनी है।

टूर्नामेंट में कुल 20 हजार कोरोना टेस्ट होंगे

इस बार आईपीएल में खिलाड़ियों समेत स्टाफ मेंबर्स का हर 5वें दिन कोरोना टेस्ट होगा। टूर्नामेंट के दौरान करीब 20 हजार टेस्ट किए जाएंगे। इसके लिए बीसीसीआई ने 10 करोड़ का बजट मंजूर किया है। यदि कोई पॉजिटिव आता है, तो उसे 7 दिन क्वारैंटाइन रहना होगा। इस दौरान तीन टेस्ट होंगे। इसमें रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद ही उसे बायो-सिक्योर माहौल में एंट्री दी जाएगी।

सामने आई बिग बी के शो कौन बनेगा करोड़पति की तस्वीरें, नए सीजन का सेट हुआ तैयार

पिछले 20 सालों से 'कौन बनेगा करोड़पति'टीवी पर सबका पसंदीदा शो बना हुआ है। केबीसी का 12वां सीजन जल्द ही टीवी पर प्रसारित होगा। हालांकि कोरोना वायरस के चलते पूरे देश में लॉकडाउन हो गया था और सबकुछ ठप्प भी हो गया था। वहीं अनिश्चितता की स्थित भी केबीसी के 12वें सीजन को लेकर सामने बनी हुई थी। मगर केबीसी के होस्त और सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपने घर से ही शो के लिए काम करना लॉकडाउन के दौरान कर दिया था ताकि दर्शकों तक यह शो पहुंचाया जा सके। पिछले दिनों केबीसी के सेट्स पर बिग बी पहुंचे हैं। बता दें कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मस पर कौन बनेगा करोड़पति के 12वें सीजन के नए सेट्स की कुछ तस्वीरें सोनी टीवी ने साझा की हैं। बता दें कि ग्राउं तरीके से शो का नया सेटअप पहले ही तैयार किया गया और बेहद खूबसूरत यह देखने में है। केबीसी 12 के सेट्स से कुछ तस्वीरें चौनल ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर साझा की और यह भी जानकारी दी कि टीम ने यहां पर शो की शूटिंग शुरु करने से पहले छोटी सी पूजा की और शूट शुरु करने के लिए भगवान का आशीर्वाद भी लिया। अमिताभ बच्चन ने भी केबीसी के सेट की तस्वीरें पोस्ट की और कैप्शन में लिखा, यो..हो!!! बैक टू ग्राउंड एंड

वर्क, 4 कैम्पेन फिल्म्स, 5 ऑउटफिट चेंज, 4 स्टिल शूट। दिन के पांच घंटों में। मेरे अलावा बाकी सभी ऐसे लग रहे थे जैसे वे हीस्ट के लिए तैयार हों। कल केबीसी के लिए तैयार। इससे पहले भी सोशल मीडिया पर अमिताभ बच्चन ने केबीसी को लेकर पोस्ट किया था। बिग बी ने उस पोस्ट में लिखा था कि, ये शुरू हो गया है। कुर्सी, वातावरण ... केबीसी 12. वर्ष 2000, आज वर्ष 2020 की शुरुआत। वर्षों से चले आ रहा अकल्पनीय। यह सेट नीले रंग के एक समुद्र के समान है। शांत, सचेत, प्रत्येक कार्य, सावधानियों, मास्क, साफ सफाई और इस बात की आशंका के साथ कि शो में क्या होगा और इस भयानक कोविड-19 के बाद दुनिया कैसी दिखेगी।

सुशांत मामला: रिया पर गिरफ्तारी की तलवार लटकी, एनसीबी के सामने पेश हुई

बॉलीवुड अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती पर भी गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। गिरफ्तारी की आशंका के बीच रिया रविवार को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के दफ्तर में पूछताछ के लिए अधिकारियों के सामने पेश हुई। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की संदिग्ध मौत के मामले में जारी जांच के दौरान सामने आए ड्रग एंगल की एनसीबी जांच कर रही है और इसी सिलसिले में रिया को एनसीबी दफ्तर में पेश होने के लिए कहा गया था। रविवार को एनसीबी की एक टीम रिया को लेने उनके घर आई लेकिन रिया ने टीम के साथ जाने से इनकार कर दिया। रिया ने कहा कि वह पूछताछ के लिए अकेले ही जाएंगी। यह घटनाक्रम शनिवार के उस घटनाक्रम के बाद का है, जब मुम्बई के एडिशनल चीफ मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट ने इस्प्लेनेड कोर्ट में रिया के भाई शोविक चक्रवर्ती और सुशांत के घर के मैनेजर सैमुएल मिरांडा को चार दिन के रिमांड पर एनसीबी को सौंपा था। ये दोनों नौ सितम्बर तक एनसीबी की रिमांड पर हैं। शोविक को लेकर दायर अपनी रिमांड याचिका में एनसीबी ने इस बात के संकेत दिए थे कि इस मामले में रिया से भी पूछताछ हो सकती है और रिया के बयानों

को शोविक और एक अन्य दीपेश सावंत के बयानों से मेल कराया जाएगा, जिसे पांच सितम्बर को गिरफ्तार किया गया था। केंद्रीय जांच एजेंसी को उम्मीद है कि वह इन सबके माध्यम से बॉलीवुड और मुम्बई में जारी ड्रग्स के गोरखधंधे का पर्दाफाश कर सकेगी। शनिवार को रिया के पिता लेफ्टिनेंट कर्नल (रिटायर्ड) इंद्रजीत चक्रवर्ती ने एनसीबी द्वारा शोविक की गिरफ्तारी की निंदा की थी। इंद्रजीत ने अपने बयान में कहा, बधाई हो भारत, तुमने मेरे बेटे को गिरफ्तार कर लिया। मुझे यकीन है कि अब बारी मेरी बेटी की है और मुझे नहीं पता कि आगे किसका नम्बर है। आपने काफी प्रभावी तरीके से एक मध्यमवर्गीय परिवार को नेस्तानाबूत कर दिया।

कंगना रनौत के सपोर्ट में उतरीं दीया मिर्जा

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीया मिर्जा ने ट्वीट कर संजय राउत से माफी मांगने के लिए कहा है। दरअसल, हाल ही में संजय राउत ने कंगना रनौत को 'हरामखोर लड़की' कहा, जिसके बाद दीया मिर्जा, एक्ट्रेस के सपोर्ट में उतरी हैं। कंगना रनौत ने अपने एक ट्वीट में कहा था कि मुंबई ऐसी लग रही है जैसे पाकिस्तान ने कश्मीर को हड़प लिया हो। इसपर गुस्सा दिखाते हुए संजय राउत ने कंगना को काफी कुछ कहा। शिवसेना नेता संजय राउत के इस बयान पर दीया मिर्जा भड़की हैं। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि 'हरामखोर' शब्द के सख्त खिलाफ हूं जिसका इस्तेमाल संजय राउत ने किया है। सर, आपके पास सारी राइट्स हैं कंगना के बारे में चीजें बोलने के लिए। लेकिन ऐसी भाषा के इस्तेमाल के लिए आपको माफी मांगनी चाहिए। कंगना रनौत ने शनिवार को ट्वीट करते हुए लिखा, 'साल 2008 में मूवी माफिया ने मुझे एक साइको घोषित कर दिया था। इतना ही नहीं 2016 में उन्होंने मुझे चुड़ैल कहा और 2020 में महाराष्ट्र के मंत्री ने मुझे हरामखोर लड़की का खिताब दे दिया। इन सभी लोगों ने मेरे साथ ऐसा इसलिए किया क्योंकि मैंने कहा कि सुशांत की हत्या के बाद मैं मुंबई में असुरक्षित महसूस करती हूं। इस वक्त डिबेट करने वाले योद्धा कहां हैं?' कंगना ने यह बात एक यूजर के ट्वीट के जवाब में लिखी। यूजर ने लिखा था, संजय राउत कह रहे हैं कंगना की टीम ने शिवाजी महाराज के खिलाफ कहा है। ये झूठ है।

समीरा रेड्डी एक घटना है जब वह अनुपयुक्त एक चुंबन दृश्य

बॉलीवुड, टॉलीवुड और कॉलीवुड उद्योग में अभिनय कर चुकीं अभिनेत्री समीरा रेड्डी ने हाल ही में कास्टिंग काउच की घटनाओं पर खुलकर बात की, जिसका सामना उन्होंने अपने करियर के शुरुआती दिनों में किया। से बात कर, दौड़ अभिनेत्री ने कहा, मैं इस फिल्म कर रहा था और अचानक मुझे बताया गया था कि वहाँ एक चुंबन दृश्य फिल्म के लिए जोड़ दिया जाएगा। यह तो मैं इसके साथ ठीक नहीं था इससे पहले कि वहां नहीं थे। निर्माताओं की कोशिश की मेरे साथ यह कहने का कारण, आपने इसे मुसाफिर में किया था, और मैं ऐसा था लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं इसे करता रहूंगा। उन्होंने तब मुझसे कहा था कि कृपया इसे सावधानी से संभालें लेकिन याद रखें कि आप बदली हैं। उसने दूसरी घटना के बारे में भी बताया और कहा कि एक पुरुष बॉलीवुड हीरो ने उसे बताया कि वह उबाऊ है और अपरिपक्व है। एक अभिनेता ने एक टिप्पणी की थी और कहा आप इतने अयोग्य हैं। उन्होंने मुझे उबाऊ कहा और कहा, तुम मज़ेदार नहीं हो। उन्होंने यह भी कहा, मुझे नहीं पता कि मैं कभी तुम्हारे साथ काम करना चाहता हूं। और मैंने उस फिल्म के बाद उनके साथ कभी काम नहीं किया। उन्होंने कहा, पूरा खेल सांप और सीढ़ी के समान है। इसलिए आपको यह जानने की जरूरत है कि सांपों के आसपास कैसे घूमें और अपना रास्ता बनाएं। मैं कभी भी पार्टी नहीं करूंगी या अभिनेताओं के साथ शूट नहीं करूंगी। मैं अपने घर वापस आऊंगी। टीवी देखें। मैंने वास्तव में कभी भी समाजीकरण नहीं किया है और मुझे पता है कि फिल्मों को प्राप्त करने में बहुत मदद मिलती है। लेकिन यह ठीक है। यह व्यवसाय की प्रकृति है, अभिनेत्री ने अपनी वजन घटाने की यात्रा के बारे में भी बताया कि गर्भावस्था के बाद वह 102 किलो की थी और कहा, मुझे अपना वजन कम करने और फिर से बाहर निकलने और फिर से दुनिया का सामना करने में 2 साल अधिक समय लगा, लेकिन मेरी इच्छा है कि मैं फिर हिम्मत करूँ। क्या यह स्वाभाविक रूप से कोई सनक आहार के साथ, कोई आसान तरीका नहीं है। केवल एक समर्पित कसरत, योग, पिलेट्स और शक्ति प्रशिक्षण के साथ

सुशांत को अध्ययन सुमन ने दिया भावुक ट्रिब्यूट, एक्टर की पूरी जिंदगी गाने में दिखाई तो अंकिता हुई स्पीच

बॉलीवुड एक्टर शेखर सुमन ने शुरुआत से दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत को न्याय दिलाने के लिए अपनी आवाज उठाई है। इसी बीच सुशांत को म्यूजिकल ट्रिब्यूट अब शेखर सुमन के बेटे अध्ययन सुमन ने दिया है।

सुशांत सिंह राजपूत की पसंदीदा फिल्मों में से एक 'एमएस धोनी'का गाना 'जब तक'का रीमेक अध्ययन सुमन ने किया है। सुशांत सिंह की पूरी जिंदगी अध्ययन ने इस गाने में दिखाई है। इस गाने कें अंत में अध्ययन ने सुशांत की मां को भी दिखाया है। बता दें कि इस गाने को पोस्ट अंकिता ने अपने ट्विटर अकाउंट पर साझा किया है। इस गाने को अपने ट्विटर अकाउंट पर सुशांत सिंह राजपूत की एक्स और अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने शेयर किया। इस गाने को पोस्ट करते हुए अंकिता ने लिखा, मेरे पास शब्द नहीं हैं अध्ययन। हालांकि अंकिता लोखंडे की आवाज भी वीडियो में सुनाई दे रही है। दरअसल सुशांत की मौत के बाद अंकिता ने कई इंटरव्यू दिए थे और गाने में उन्हीं के अंश अध्ययन ने डाले हैं। इतना ही नहीं इस गाने को अध्ययन ने अच्छा गाया है। इस गाने को अपने यूट्यूब चौनल पर भी अध्ययन सुमन ने शेयर किया है। इसके साथ उन्होंने लिखा है कि सुशांत को मैंने दिल से श्रद्धांजलि दी है और न ही मॉनेटाइज इसे चौनल पर किया गया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि गिटार बजाते,बच्चों की तरह खेलते और अंकिता के साथ सुशांत नजर आ रहे हैं। अध्ययन सुमन के इस गाने की अंतिम लाइन्स बहुत दिल छूने वाली हैं। ऐसा कहें कि दिल को रूला देने वाली हैं। एक दिल था बेचारा जो सह न सका,जो बातें थीं दिल में वो कह न सका,एक झोंका था हवा का, आया और चला गया,मुड़ के देखा नहीं बस जाते-जाते रुला गया,तुम जैसे गए, वैसे कोई जाता नहीं,जो जाता है तो फिर लौट के आता नहीं,अब हम और तुम बस ख्वाबों में मिलेंगे,जैसे सूखे हुए फूल किताबों में मिलेंगे।

रिया चक्रवर्ती के वकील बोले- गिरफ्तारी को हैं तैयार, नहीं की अग्रिम जमानत की कोशिश

सुशांत सिंह राजपूत के केस में ड्रग ऐंगल सामने आने के बाद मामले की जांच कर रहे एनसीबी ने रविवार सुबह रिया चक्रवर्ती को पूछताछ का समन दिया है। एनसीबी ने पहले ही इस मामले में शौविक चक्रवर्ती, सैमुअल मिरांडा और दीपेश सावंत को हिरासत में ले लिया है। अब माना जा रहा है कि पूछताछ के बाद रिया चक्रवर्ती को भी हिरासत में लिया जा सकता है। इस मामले पर रिया के वकील सतीश मानेशिंदे का रिऐक्शन भी आ गया है। सुशांत केस में रिया और उनके परिवार की पैरवी कर रहे वकील सतीश मानेशिंदे ने कहा है कि रिया चक्रवर्ती मामले में गिरफ्तारी देने के लिए तैयार हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक रिया के वकील ने कहा, रिया चक्रवर्ती गिरफ्तार होने के लिए तैयार हैं क्योंकि उन्हें बुरा-भला कहकर निशाना बनाया जा रहा है। अगर किसी को प्यार करना जुर्म है तो वह (रिया) इस जुर्म के परिणाम भुगतने को तैयार हैं।

कॉमेडियन बलराज सयाल ने गर्लफ्रेंड दीप्ति तुली से की गुपचुप शादी

हाल ही रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 10 में नजर आ चुके बलराज सयाल ने एक मिस्ट्री गर्ल की तस्वीर शेयर कर सबको हैरान कर दिया है। ये मिस्ट्री गर्ल कोई और नहीं बल्कि बलराज की पत्नी हैं जिनसे कॉमेडियन ने 7 अगस्त को गुपचुप शादी कर ली है। जी हां, एक साल तक रिलेशनशिप में रहने के बाद बलराज ने अपनी गर्लफ्रेंड दीप्ति तुली से जलंधर, पंजाब में शादी की है।

साल 2019 में हुई थी पहली मुलाकात

बलराज सयाल ने टाइम्स ऑफ इंडिया से अपनी लवस्टोरी शेयर करते हुए बताया कि वो दीप्ति से चंडीगढ़ में साल 2019 में शूटिंग के दौरान मिले थे। बलराज इस शो में होस्ट थे वहीं उनका लेडी लव दीप्ति अपने म्यूजिक बैंड के साथ परफॉर्म कर रही थीं। इस शो के दौरान बलराज को पहली नजर में ही दीप्ति को पसंद कर बैठे थे मगर क्योंकि दीप्ति ने उनके मैसेज का जवाब नहीं दिया तो उन्हें लगा ये एक तरफा ही है। इसके बाद दोनों की लगातार बाद हुई मगर महज दोस्त की तरह।

गोवा में किया था शादी के लिए प्रपोज

कॉमेडियन ने आगे बताया, कि उनकी ज्यादा बातें नहीं होती थीं। इसके बाद वो खतरों के खिलाड़ी शो की शूटिंग के लिए निकल गए। बलराज लगातार दीप्ति को मैसेज करते थे मगर उनकी तरफ से अच्छा जवाब नहीं आता था। इसके बाद जब कॉमेडियन तुर्की और ग्रीस की ट्रिप पर गए तो दीप्ति उनसे लंबी बातचीत करने लगीं। इसके बाद दोनों की कुछ मुलाकातें हुईं और बलराज ने आखिरकार 26 जनवरी को गोवा के गेटवे में उन्हें शादी के लिए प्रपोज किया। दीप्ति काफी हैरान रह गई थीं और उन्होंने तुरंत जवाब नहीं दिया। आगे बलराज ने कलर्स के शो मुझसे शादी करोगे में हिस्सा लिया था। शो से वापस आकर उन्होंने फिर दीप्ति के सामने शादी का प्रस्ताव रखा और इस बार उन्होंने हां कह दिया।

सुशांत के ऐब्स पर फिदा हो गई थीं सारा अली खान, ये गाना देख बनाया था मिलने का प्लान

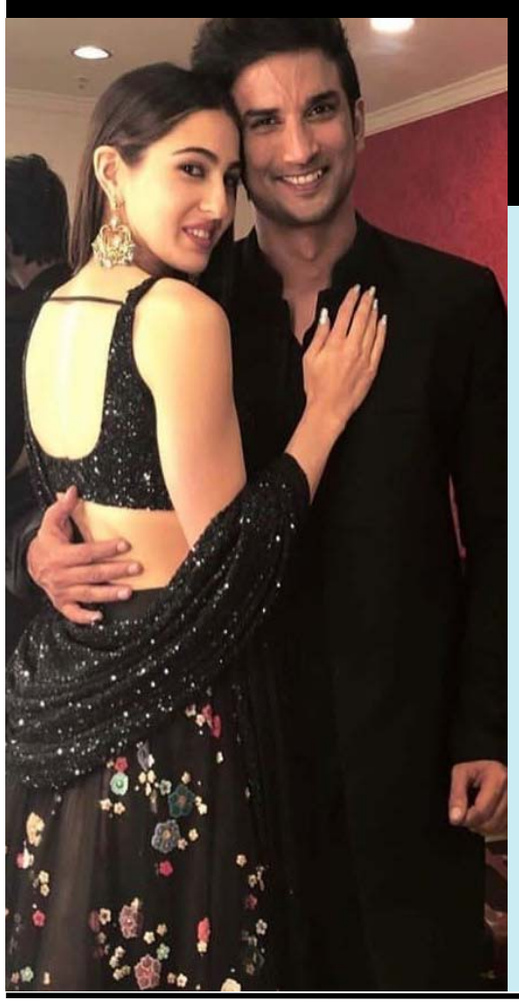

सुशांत सिंह राजपूत की मौत को 3 महीने से ज्यादा का वक्त गुजर गया है। फिल्म इंडस्ट्री ने एक टैलंटेड ऐक्टर खो दिया। उनकी मौत के बाद से उनसे जुड़ी कई बातें और वीडियोज सामने आ चुके हैं। बीते दिनों सुशांत का स्टाफ बता चुका है कि सारा अली खान के साथ उनकी काफी अच्छी बॉन्डिंग थी। इस बीच सारा एक पुराना वीडियो सामने आया है। इसमें सारा ने बताया है कि उन्होंने सबसे पहले सुशांत को कब देखा और वह देखते ही उन पर फिदा हो गई थीं। सारा अली खान इस वीडियो में बताती हैं कि उन्होंने सुशांत को मैं तेरा बॉयफ्रेंड गाने में देखा और जब उन्होंने कहा, ना-ना-ना-ना तो सारा उन पर मर मिटीं। सारा ने बताया था कि उन्हें लगा था कि ये लड़का कितना हॉट है और वह सुशांत से मिलने के लिए बेताब हो गई थीं। सारा कहती हैं, मैं सुशांत के ऐब्स और कृति सैनन के लेग्स के अलावा कुछ और देख ही नहीं पा रही थी। सारा के साथ इंटरव्यू में बैठे सुशांत इस पर ब्लश करते दिखाई दे रहे हैं। सुशांत और सारा ने केदारनाथ फिल्म में साथ काम किया था। यह सारा की डेब्यू फिल्म थी। इस फिल्म के बाद सुशांत और सारा के लिंकअप की खबरें आई थीं। सुशांत के फार्महाउस के केयर टेकर एक रीसेंट इंटरव्यू में बता चुके हैं कि सुशांत सारा को जनवरी 2019 में प्रपोज करने वाले थे। सारा उनके फॉर्महाउस पर आती थीं। सुशांत के स्टाफ के कई लोग बता चुके हैं कि सारा अली खान और सुशांत एक-दूसरे की काफी इज्जत करते थे। सारा का व्यवहार सुशांत के स्टाफ के लिए भी काफी अच्छा था। रिपोर्ट्स ये भी थीं कि सारा के साथ बैंकॉक जाने के लिए सुशांत ने प्राइवेट जेट बुक किया था।

ववेक ओबरॉय की पत्नी के भाई आदित्य अल्वा का भी नाम

सैंडलवुड ड्रग स्कैंडल में अब बॉलिवुड ऐक्टर विवेक ओबरॉय के साले आदित्य अल्वा का नाम भी आ रहा है। बीते दिनों बेंगलुरु सेंट्रल क्राइम ब्रांच टीम (ब्ब्ठ) ने कन्नड़ फिल्म ऐक्ट्रेस रागिनी द्विवेदा के साथ 11 लोगों के प्रतिबंधित ड्रग्स के इस्तेमाल के आरोप में गिरफ्तार किया। आदित्य कर्नाटक के पूर्व मंत्री जीवराज अल्वा के बेटे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जिन 12 लोगों के खिलाफ एफआईआर है उनमें आदित्य का नाम भी शामिल है। बेंगुलुरु में ये गिरफ्तारी कई न्यूज में सिलेब्स के ड्रग्स लेने के खबरों के करीब 10 दिन बाद आई थी। बताया जा रहा है कि आदित्य अल्वा पार्टी सर्कल का पॉप्युलर चेहरा हैं।

उनका नाम आने पर कई लोग हैरानी जता रहे हैं। कई रिपोर्ट्स के मुताबिक, आदित्य को अभी तक कस्टडी में नहीं लिया गया है। उनकी गिरफ्तारी से जुड़ा भी कोई ऑफिशल नोटिस नहीं है। सिटी जॉइंट कमिश्मर संदीप पाटिल ने बताया, हमने रागिनी और बाकी लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इसमें ड्रग पेडलर शिवाप्रकाश रवि शंकर, राहुल शेट्टी और पार्टी प्लान विरेन खन्ना के नाम शामिल हैं। रागिनी और शेट्टी की गिरफ्तारी शुक्रवार को हो चुकी है।

वरिष्ठ निर्माता-निर्देशक जॉनी बक्शी का कार्डिएक अरेस्ट से निधन

वरिष्ठ निर्माता-निर्देशक जॉनी बक्शी का शनिवार रात कार्डिएक अरेस्ट की वजह से मुंबई में निधन हो गया। वे 82 साल के थे। उन्हें शुक्रवार सुबह सांस लेने में तकलीफ होने के बाद जुहू के आरोग्य निधि अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालांकि उनकी कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आई थी। बक्शी की बेटी प्रिया ने इस बारे में एक न्यूज एजेंसी को बताते हुए कहा, उन्हें शुक्रवार सुबह सांस लेने में दिक्कत होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था। उनका कोविड-19 टेस्ट भी हुआ था, जिसकी रिपोर्ट निगेटिव आई थी। उनका निधन देर रात 1.30 से 2 बजे के बीच कार्डिएक अरेस्ट की वजह से हुआ। बख्शी के परिवार में उनके दो बेटे ब्रेडमैन और केनेडी के अलावा उनकी बेटी प्रिया है। कुछ फिल्मों में एक्टिंग भी की करीब चार दशक लंबे अपने करियर में बक्शी ने बतौर निर्माता मंजिलें और भी हैं (1974), विश्वासघात (1977), रावण (1984), मेरा दोस्त, मेरा दुश्मन (1984), फिर तेरी कहानी याद आई% (1993), भैरवी (1996) और कजरारे (2010) जैसी कुछ अन्य फिल्मों का निर्माण किया और दो फिल्मों डाकू और पुलिस (1992) और खुदाई (1994) का निर्देशन भी किया। उन्होंने हार-जीत (1990) और पापा कहते हैं (1996) जैसी फिल्मों में एक्टिंग भी की थी। बक्शी के निधन पर बॉलीवुड की कई हस्तियों ने शोक व्यक्त किया है। इस दौरान अनुपम खेर, शबाना आजमी, कबीर बेदी और कुणाल कोहली समेत कई सेलेब्स ने सोशल मीडिया पर दुख जताया। इस दौरान अनुपम खेर ने लिखा प्रिय जॉनी बक्शी के निधन की खबर के बारे में जानकर गहरे दुख में हूं। मुंबई में मेरे शुरुआती जीवन में वे एक प्रोड्यूसर, दोस्त, समर्थक और मोटिवेटर के रूप में जीवन का अहम हिस्सा थे। उनकी हंसी संक्रमण की तरह थी, जो आसपास के सभी लोगों को भी खुश कर देती थी। अलविदा मेरे दोस्त। ओम शांति।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।